

संक्षिप्त समाचार

उधार न चुकाने पर दोस्त ने दराती से काटा,आरोपी ने किया सरेंडर

बैलहोंगल। कर्नाटक के बैलहोंगल से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ दोस्ती का एक खौफनाक अंत हुआ। तालुक के गिरयाला गांव में एक 30 वर्षीय युवक ने अपने ही दोस्त की महज 2,000 रुपये का कर्ज न चुका पाने पर बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, मृतक मंजूनाथ गौदर ने पिछले हफ्ते अपने दोस्त दयानंद गुंडलूर से 2,000 रुपये उधार लिए थे। मंजूनाथ ने यह रकम सात दिनों के भीतर चुकाने का वादा किया था, लेकिन वह अपना वादा पूरा नहीं कर सका। रविवार रात को जब मंजूनाथ पैसे नहीं लौटा पाया, तो दयानंद की उससे तीखी बहस हो गई। देखते ही देखते यह बहस खूनी संघर्ष में तब्दील हो गई। आरोप है कि दयानंद ने गुस्से में आकर मंजूनाथ पर दराती से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हमले में मंजूनाथ का बहुत ज्यादा खून बह गया। उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी दयानंद ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।

हरिद्वार में 15 फूट का किंग कोबरा देख मची भगदड़

हरिद्वार। तीर्थनगरी हरिद्वार के चंडी घाट इलाके में रविवार सुबह उस वक हड़कंप मच गया, जब गंगा स्नान कर रहे श्रद्धालुओं के बीच अचानक एक विशालकाय किंग कोबरा आ गया। करीब 13 से 15 फुट लंबे इस सांप को देखकर घाट पर अफरा-तफरी मच गई और लोग डर के मारे इधर-उधर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह का माहौल हमेशा की तरह शांत और धार्मिक था। बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य कमा रहे थे, लेकिन तभी उनकी नजर गंगा किनारे रेंग रहे इस विशाल नाग पर पड़ी। इतने बड़े और रौंददार सांप को अपनी आंखों के सामने देखकर लोगों की ससैं थम गई। जैसे ही कोबरा नजर आया, घाट पर मौजूद भीड़ में भगदड़ मच गई। कुछ श्रद्धालु डरकर फौरन गंगा से बाहर निकल आए, तो वहीं कुछ लोग हिम्मत करके दूर खड़े होकर अपने मोबाइल फोन से वीडियो बनाने लगे। वहां मौजूद लोगों का कहना था, इतना बड़ा सांप तो हमने सिर्फ टीवी पर ही देखा है।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में रेस्टोरेंट के अंदर फटे 5 सिलेंडर

मुगदाबाद। उत्तर प्रदेश के मुगदाबाद में सोमवार तड़के एक रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गई, जिसके बाद एक-एक कर 5 सिलेंडरों में विस्फोट हुआ। घटना रामपुर रोड स्थित होटल क्लार्क इन के सामने परी रेस्टोरेंट में हुई थी। रेस्टोरेंट के ऊपर उसके मालिक का मकान था। आग की चपेट में आकर रेस्टोरेंट मालिक प्रदीप श्रीवास्तव की मां की मौत हो गई है, जबकि परिवार के अन्य 10 सदस्य गंभीर रूप से झुलस गए हैं। सभी अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस ने बताया कि रेस्टोरेंट के ऊपर बने मकान पर प्रदीप अपने परिवार के साथ रहते हैं।

केन्या में बड़ा हवाई हादसा

मासाई मारा जाते वक्त...विमान दुर्घटनाग्रस्त, 12 लोगों की मौत

नैरोबी/ एजेंसी

केन्या के क्वालें काउंटी में मंगलवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा हुआ है। टिमबा गोलिनी क्षेत्र में एक लाइट एयरक्राफ्ट के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार कम से कम 12 लोगों की मौत की आशंका है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मारे गए लोग ज्यादातर पर्यटक थे। यह विमान (5Y-CCA) एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल, डियानी से उड़ान भरकर किचवा टेम्बो की ओर जा रहा था। सुबह करीब 8:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) यह विमान दुर्घटना का शिकार हो गया। विमानन अधिकारियों ने भी इस हादसे की पुष्टि की है। केन्या सिविल एविएशन अथॉरिटी (KCAA) ने घटना के बारे में बयान जारी कर विमान के मार्ग और पंजीकरण संख्या (5Y-CCA) का उल्लेख किया है। यह एयरलाइन तटीय शहरों जैसे Mombasa को केन्या के प्रमुख पर्यटन स्थलों, विश्व प्रसिद्ध मासाई मारा और नैरोबी से जोड़ने वाली उड़ानों के लिए जानी जाती है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और आपातकालीन सेवाएं तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो फुटेज में विमान को आग की लपटों में घिरा हुआ देखा गया और मलबा दूर-दूर तक बिखरा हुआ था। दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और इस संबंध में विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। प्राथमिक अटकलों के अनुसार, क्षेत्र में खराब दृश्यता और प्रतिकूल मौसम की स्थिति हादसे का कारण हो सकती है। मृतकों की पहचान और जांच के विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है। घटना के समय विमान केन्या के डायनी हवाई अड्डे से उड़ान भरकर मसाई मारा राष्ट्रीय अभ्यारण्य की ओर जा रहा था। विमान डायनी से लगभग 40 किलोमीटर दूर, पहाड़ी और जंगली इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इस क्षेत्र की कठिन भौगोलिक स्थिति और घने जंगलों के कारण बचाव कार्य में समय लग रहा है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि



आग की लपटों में घिर गया विमान

अधिकारियों ने बताया कि विमान उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया और आग की लपटों में घिर गया, जिससे घटनास्थल पर सिर्फ जला हुआ मलबा ही नजर आया। प्रत्यक्षदर्शियों ने एपी को बताया कि उन्होंने एक तेज धमाका सुना और घटनास्थल पर पहुंचने पर उन्हें मानव अवशेष मिले। एयरलाइन, मोम्बासा एयर सफरी ने एपी को बताया कि वह नागरिक उड्डयन निकाय के साथ सहयोग कर रही है और दुर्घटना से संबंधित नवीनतम जानकारी प्राधिकरण के माध्यम से साझा की जाएगी।

विमान में सवार सभी यात्रियों की जानकारीयों जुटाई जा रही हैं और बचाव दल मौके पर पहुंच चुका है। दुर्घटना के कारणों का पित्हाल पता नहीं चल सका है, लेकिन मौसम और तकनीकी खराबी की संभावना पर जांच की जा रही है। मसाई मारा राष्ट्रीय अभ्यारण्य के लिए छोटे विमानों का प्रयोग आमतौर पर किया जाता है, ताकि पर्यटक जल्दी और आसानी से अभ्यारण्य तक पहुँच सकें। इस हादसे के बाद क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों पर अस्थायी असर पड़ने की संभावना है। अधिकारियों ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है। केन्या नागरिक उड्डयन

पर्यटक स्थलों में एक है मासाई मारा

मासाई मारा नेशनल रिजर्व अफ्रीका के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां हर साल हजारों विदेशी पर्यटक वोल्डोबोर्ड माइग्रेशन (हिरणों का वार्षिक पलायन) देखने आते हैं। यह रिजर्व डायनी से दो घंटे की सीधी उड़ान की दूरी पर है। इस दुर्घटना ने केन्या की विमानन सुरक्षा को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। 2018 की अंतरराष्ट्रीय विमानन सुरक्षा रिपोर्ट में केन्या को दुर्घटना जांच के मामले में वैश्विक औसत से नीचे बताया गया था, जिससे देश की विमानन निगरानी पर भी अब सवाल उठने लगे हैं।

प्राधिकरण ने कहा कि हादसे की जांच तुरंत शुरू कर दी गई है। विमान के रिकॉर्ड और पायलट के अनुभव की जांच की जा रही है। स्थानीय पुलिस और आपदा प्रबंधन टीम मौके पर बचाव और सर्वे कार्य कर रही है। केन्या में पर्यटन और छोटे विमान उड़ानों के दौरान सुरक्षा संबंधी चिंताएँ अक्सर उठती रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में कई छोटे विमान दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें पर्यटकों और स्थानीय लोगों की जान गई है। ऐसे हादसे यह दर्शाते हैं कि क्षेत्रीय हवाई यात्राओं में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करना कितना महत्वपूर्ण है। दुर्घटना में मारे गए लोगों की पहचान और परिजनों को सूचना देने का कार्य जारी है।

डॉक्टर सुसाइड केस में सनसनीखेज मोड़ एक और संदिग्ध मौत से जुड़े तार

सतारा। महाराष्ट्र के सतारा में महिला डॉक्टर की खुदकुशी के मामले में एक चौंकारे वाला नया मोड़ आ गया है। एक महिला ने सनसनीखेज दावा किया है कि मृतक डॉक्टर पर उनकी बेटी की गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाने का दबाव डाला गया था। भाग्यश्री मारुति पंचांगने नाम की महिला ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की ससुराल वालों ने हत्या कर दी थी, लेकिन डॉक्टर पर दबाव डालकर इसे प्राकृतिक मौत बताने को मजबूर किया गया। भाग्यश्री ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी दीपाली की शादी सेना के एक अधिकारी अजिंक्य हनमंत निंबालकर से की थी।

महागठबंधन का साझा घोषणा पत्र जारी

सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम लाई जाएगी

नई दिल्ली। एजेंसी

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन (ईंडिया गठबंधन) ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरा घोषित हुए तेजस्वी यादव ने सभी घटक दलों के प्रमुख नेताओं के साथ इसे जारी किया। इसे ‘तेजस्वी का प्रण पत्र’ भी कहा गया है। वीआईपी के प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि हमलोगों ने एक संकल्प पत्र रखा है। बिहार में 30 से 35 साल हमलोगों को जनता के बीच रहना है। यह संकल्प पत्र एक नए बिहार की नींव रखेगा। आप दूसरी तरफ देखेंगे तो राष्ट्रीय

दिल्ली में यूपीएससी अभ्यर्थी की हत्या में प्रेमिका समेत 3 गिरफ्तार

नईदिल्ली। दिल्ली के गांधी विहार इलाके में कुछ हफ्ते पहले संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रहे 32 वर्षीय अभ्यर्थी रामकेश मीणा की हत्या के मामले में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को बताया कि 21 वर्षीय अमृता चौहान ने अपने 27 वर्षीय पूर्व प्रेमी सुमित कश्यप और उसके साथ संदीप कुमार (29) के साथ इस हत्या को अंजाम दिया था। तीनों आरोपी उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के रहने वाले हैं।



जनतांत्रिक गठबंधन का कोई संकल्प पत्र ही नहीं है। इतनी कमियों के बावजूद उन्हें लगता कि बिहार बहुत खुशहाल है। इसलिए वह अपना घोषणा पत्र जारी नहीं कर रहे। लेकिन, अब जनता बदलाव चाहती है। इसलिए महागठबंधन की सरकार

हाईकोर्ट ने आदेश पर लगाई रोक

संघ मामले पर कर्नाटक सरकार को लगा झटका

बंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को झटका देते हुए उसके एक आदेश पर रोक लगा दी है। दरअसल इस आदेश के तहत कर्नाटक सरकार ने निजी संगठनों को सरकारी परिसरों और सार्वजनिक जगहों, सड़कों आदि पर कोई भी कार्यक्रम आयोजित करने से प्रशासन की मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया था। कर्नाटक सरकार के इस आदेश को संघ की गतिविधियों को राज्य में बाधित करने के तौर पर देखा जा रहा था। हालांकि अब कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने इस आदेश पर रोक लगा दी है।



राज्य सरकार को आदेश के खिलाफ ‘पुनराश्चैतन्य सेवा समस्थे’ नामक संगठन ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस नागप्रसन्ना की एकल पीठ ने राज्य सरकार के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए मामले की सुनवाई 17 नवंबर तक टाल दी है।

पंजाब सीएम का पीएम पर तंज

दुनिया की जंगें रुकवा सकते हैं तो धुआं क्यों नहीं-मान.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पराली जलाने से फैलने वाले धुएं के विवाद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने तं भरे लहजे में कहा कि अगर प्रधानमंत्री, दुनिया भर की जंगों को रुकवा सकते हैं और विश्व गुरु की छवि मजबूत कर रहे हैं, तो पराली का धुआं रोकने में भी क्या दिक्कत है? वे उन सभी राज्यों की बैठक बुला लें जहां यह समस्या प्रबल है, जैसे उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान। हम सब अपनी राय रखेंगे, उनके



सुझावों पर अमल करेंगे और धुएं की समस्या का स्थायी समाधान निकाल लेंगे। किसानों को बदनाम न करें। प्रधानमंत्री जी कोई वैकल्पिक उपाय या सिफारिश तो पेश करें। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि क्या दिल्ली में

केवल पंजाब का धुआं ही पहुंचता है, हरियाणा का नहीं? उन्होंने राष्ट्रीय हरित अधिकरणएनजीटी के एक जज के रीटायरमेंट भाषण का हवाला देते हुए कहा कि पराली के धुएं को हमेशा पंजाब से जोड़ा जाता है। लेकिन धुएं को दिल्ली तक पहुंचने के लिए हवाओं को उत्तर से दक्षिण की ओर बहना चाहिए, जो वास्तव में नहीं हो रहा। अभी तो हमारे यहां 70-80 प्रतिशत फसल कटाई भी बाकी है। जब आग लगाई हो नहीं गई, तो धुआं कैसे दिल्ली पहुंच गया? हरियाणा, जो पंजाब से दिल्ली के करीब है, उसका धुआं क्यों नहीं दिखता?

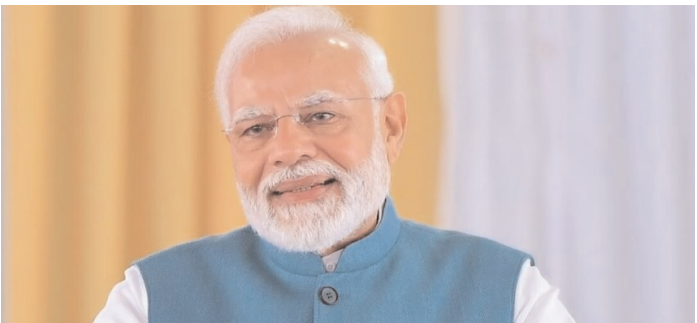
सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू

आठवें वेतन आयोग के गठन को कैबिनेट की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार में कार्यरत 50 लाख कर्मचारियों और तकरीबन 69 लाख पेंशनभोगियों को राहत देने के लिए गठित आठवें वेतन आयोग की सेवा शर्तों को मंगलवार को सरकार की मंजूरी मिल गई। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई को इस आयोग की अध्यक्ष बनाने वाले प्रस्ताव को पीएम नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की बैठक में हरी झंडी दिखाई गई। आयोग में एकमात्र सदस्य आइआइएम (बंगलोर) के प्रोफेसर पुलक घोष होंगे जबकि पेट्रोलियम मंत्रालय में सचिव पंकज जैन को इसका सदस्य सचिव बनाया गया है। सरकार के इस फैसले को बिहार में विधान सभा चुनाव से भी जोड़ कर देखा जा रहा है जहां छह व 11

नवंबर को चुनाव है। बिहार में सरकारी नौकरियों में बहाली एक बड़ा चुनावी मुद्दा है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद बताया कि आयोग का गठन जनवरी 2025 में ही घोषित किया गया था, लेकिन अब इसकी सेवा-शर्तों (ट ट्प्स ऑफ रेफरेंस) की मंजूरी से प्रक्रिया तेज हो गई है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार आयोग को अपनी मुख्य रिपोर्ट गठन के 18 महीनों के भीतर जमा करनी होगी और आवश्यकता पड़ने पर विशिष्ट मुद्दों पर अंतरिम रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है। हालांकि सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू होंगी। यह आयोग सातवें वेतन आयोग की अवधि (2016-2025) के समाप्त होने से ठीक पहले आ रहा है। सातवें आयोग ने वेतन में 14.3 प्रतिशत की वृद्धि की सिफारिश की थी। इससे



एक करोड़ सरकारी कर्मचारियों को लाभ हुआ था। माना जा रहा है कि आठवें आयोग की रिपोर्ट में महंगाई भत्ते, यात्रा भत्ते और आवास भत्ते में संशोधन होगा। आयोग की अवधि (2016-2025) के समाप्त होने से ठीक पहले आ रहा है। सातवें आयोग ने वेतन में 14.3 प्रतिशत की वृद्धि की सिफारिश की थी। इससे

आयोग की सिफारिशों से सरकार का अतिरिक्त व्यय 2.4 से 3.2 लाख करोड़ रुपये तक हो सकता है। वैसे इसका बड़ा हिस्सा कर राजस्व के रूप में वापस कर्मचारी संगठनों की लंबे समय से यह मांग थी कि वेतन संशोधन समय पर हो ताकि कर्मचारियों की क्रय शक्ति बनी रहे। विश्लेषकों का अनुमान है कि

राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने के लिए क्या सिफारिशें होती हैं, इस पर भी नजर रखनी होगी। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आठवां वेतन आयोग 18 महीने के भीतर सिफारिशें प्रस्तुत करेगा, जो 1 जनवरी 2026 से लागू होने की संभावना है। मंत्री ने बताया कि आयोग की सिफारिशें रक्षा सेवा कर्मियों और लगभग 69 लाख पेंशनभोगियों सहित लगभग 50 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारियों को कवर करेंगी। केंद्रीय कैबिनेट ने चालू रबी सीजन (2025-26) के लिए पोषक तत्व आधारित 37,952 करोड़ रुपये की सब्सिडी योजना को भी मंजूरी दे दी है। सरकार ने प्रति किलोग्राम के आधार पर नाइट्रोजन (एन), फ़स्फ़ोरस (पी), पोटाश (के) और सल्फ़र (S) के लिए सब्सिडी अधिसूचित की है।

रंजना प्रकाश देसाई, जो बनीं 8वें वेतन आयोग की चेयरपर्सन; दो मंबर भी होंगे

भारत सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफे देते हुए 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। इस वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर ही केंद्रीय कर्मचारियों के वेतनमान और भत्तों में इजाफ़ा होगा। यही नहीं राज्य सरकारों के कर्मचारी भी इस वेतन आयोग के आधार पर भविष्य में वेतन बढ़ोतरी की राह देख रहे हैं। आयोग का चेयरपर्सन जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई को बनाया गया है। वह सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जस्टिस हैं और परिसीमन आयोग का भी वह नेतृत्व कर चुकी हैं। गुजरात सरकार ने भी उनकी सेवाएं ली थीं। उन्हें समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए सिफारिशें देने वाली समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। वह सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर 2014 में सेवानिवृत्त हुई थीं।

ग्राम चरोटी में एक युवती की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बलौदाबाजार। ग्राम चरोटी में ग्राम की ही एक युवती की पैरावट में जली हुई अवस्था में लाश मिली है। की सूचना पर थाना सिटी कोतवाली का पुलिस बल तत्काल घटना स्थल ग्राम चरोटी पहुंचा। साथ ही फोरेंसिक टीम के माध्यम से भी शव एवं घटनास्थल का सुक्ष्म जांच एवं निरीक्षण किया गया। प्रारंभिक जांच में शव, मृतिका कु. तेजस्विनी पटेल पिता रूप सिंग पटेल उम्र 26 साल निवासी ग्राम चरोटी पटेल पारा गुड़ी चौक का होना पाया गया है। प्रकरण में घटनास्थल संपूर्ण जांच पर पाया गया कि शव के शरीर में किसी धारदार हथियार से वार करने के निशान थे। साथ ही युवती का शव पैरावट में बुरी तरीके से जली हुई अवस्था में पाया गया। प्रारंभिक जांच में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा युवती की हत्या कर शव, पैरावट में डालकर जला देना पाया गया, जिस पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्र.1036/2025 धारा 103(1),238 बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ते के कुशल निर्देशन में थाना सिटी कोतवाली एवं साइबर सेल की संयुक्त पुलिस द्वारा जांच एवं विवेचना



कार्यवाही प्रारंभ किया गया तथा गवाहों, परिजनों का विस्तृत कथन लिया गया तथा शव का विधिवत पोस्टमार्टम कार्यवाही संपन्न कारया गया। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा गांव में ही कैच कर, संपूर्ण घटनाक्रम की स्थिति, वारदात के तरीके का विश्लेषण करते हुए युवती की हत्या करने वाले अज्ञात आरोपी के संबंध में पूछताछ एवं पताशाजी किया जा रहा था। कि प्रकरण में ग्रामवासियों एवं गवाहों से पूछताछ के आधार पर तथा प्रकरण के विवेचना क्रम में सदेह के आधार पर आरोपी सालिक राम पैकार को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ किया गया, जिसमें आरोपी द्वारा मृतिका की हत्या करने की बात स्वीकार करते हुए संपूर्ण घटनाक्रम

के बारे में बताया कि आरोपी एवं मृतिका दोनों एक साथ बलौदाबाजार में रोजी मजदूरी का काम करते थे। इस दौरान लगभग 04-05 माह पूर्व से दोनों के मध्य प्रेम संबंध स्थापित हो गया, किंतु विगत कुछ दिनों से दोनों के बीच अनबन चल रहा था, जिसमें दोनों के द्वारा अलग-अलग रहने का फैसला लिया गया, किंतु इस फैसले के बाद भी आरोपी मृतिका को मिलने के लिए दबाव डालकर परेशान करने लगा। आरोपी द्वारा मृतिका को 24-25 अक्टूबर की दरम्यानी रात्रि 01.30-02.00 बजे करीबन मिलने के लिए बुलाया गया। मिलने पर आरोपी द्वारा मृतिका को उसके साथ पहले जैसे ही मिलने, बात आदि करने के लिए फिर से

दबाव बनाया गया, जिस पर मृतिका के मना करने पर, आरोपी द्वारा आवेश में आकर मृतिका के ऊपर चाकू एवं लकड़ी से प्राणघातक वार करते हुए उसे मौत के घाट उतार दिया गया। फिर मृतिका के शव को वहीं पास के पैरावट में ले जाकर, पैरावट में एक लकड़ी के खूटे से आग लगा दिया गया, जिससे मृतिका का शव जली हुई अवस्था में पाया गया। घटना के बाद आरोपी अपने घर में जाकर सो गया तथा उसके ऊपर किसी को शक ना हो एवं सब कुछ सामान्य होने का नाटक करते हुए सुबह उठकर ग्राम डमरू चला गया। संपूर्ण घटनाक्रम में सबसे विशेष बात यह है कि आरोपी साइकोपैथ एवं क्रूर प्रवृति का है।

कलेक्टर ने पिपराहा तालाब में छठ घाट की तैयारियों का लिया जायजा, अधिकारियों को दिये जरूरी निर्देश

बलौदाबाजार। लोक अस्था का महापर्व छठ पूजा जिले में भी उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए नदी व जलाशयों के घाट की साफसफाई सहित प्रकाश व अन्य व्यस्थाएं दुरुस्त की जा रही हैं। कलेक्टर दीपक सोनी ने बलौदाबाजार स्थित पिपराहा तालाब में छठ घाट की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने छठ व्रतियों की सुविधाओं तथा शांति व्यवस्था हेतु अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिये। कलेक्टर ने छठ घाट में साफ, सफाई, लाइटिंग, पार्किंग, घाट में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या एवं आवागमन आदि की जानकारी ली। उन्होंने लोगों की मांग पर घाट का विस्तार करते हुए पचरी निर्माण एवं एक शेड निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दिये। इस दौरान उन्होंने वार्ड पार्शद सहित आम लोगों को पीएम सूर्यभर मुक्त बिजली योजना को लाभकारी बताते हुए योजना का लाभ लेने प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आकास योजना शहरी के तहत नगरपालिका के लिए निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने पात्र लोगों से आवेदन लेने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया। बताया गया कि पिपराहा तालाब में लगभग 50 परिवार



के व्रतियों द्वारा छठ पूजा किया जाता है एवं लगभग 300 श्रद्धालुओं यहां जुटते हैं। सोमवार को अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य दिया जयेगा एवं मंगलवार प्रातः उदय होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। गौरतलब है कि छठ पूजा हिन्दुओं का एक प्राचीन लोकपूर्व है जिसे विशेष रूप से बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश में मनाया जाता है। छठ पूजा नहाय खाय से शुरू होती है जो 25 अक्टूबर को था। छठ पूजा का दूसरा दिन बेहद अहम माना जाता है। इस दिन व्रत लेने वाले लोग आत्मिक और शारीरिक रूप से

खुद को शुद्ध करते हैं। प्रसाद खाने के बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाता है। छठ पूजा के तीसरे दिन अस्नगामी सूर्य को शाम के वक्त अर्घ्य दिया जाता है। छठ पूजा के आखिरी दिन उदय होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करके छठ व्रत का पारण करते हैं और इस व्रत को सभी लोगों में बांटते हैं। इस दौरान वार्ड पार्शद सलुजा, एसडीएम प्रकाश कोरी, तहसीलदार निवेश कोरेटी सीएमओ आशीष तिवारी सहित अन्य अधिकारी, छठ व्रती एवं वार्डवासी उपस्थित थे।

सुनियोजित योजना बनाकर अपने पति की हत्या करवाने की नीयत से उस पर प्राणघातक हमला करवाने वाली आरोपी पत्नी को किया गया गिरफ्तार

तिल्दा नेवरा। शादी के पहले ही आरोपिया का फरार आरोपी से प्रेम संबंध स्थापित था। शादी के बाद आरोपिया का अपने प्रेमी के साथ मिलने जुलने में परेशानी हो रही थी, जिस पर आरोपीया द्वारा अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति उमाशंकर कुंभकार को रास्ते से हटाने की योजना बनाई गई। योजना अनुसार 25.10.2025 को आरोपिया द्वारा अपने आरोपी प्रेमी को फोन कर सिमगा बुलाया गया एवं शाम 07:30 बजे अपने पति उमाशंकर को फोन कर आरोपिया द्वारा अपने एक परिचित आदमी को बेमेतरा पुराना पुल के पास पैसों की जरूरत होना बताकर पति उमाशंकर कुंभकार को वहां पर भेजा गया, जिस पर पहले से तैयार आरोपी प्रेमी द्वारा किसी धारदार वस्तु से मारपीट कर उमाशंकर कुंभकार को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना पश्चात आरोपी प्रेमी वहां से भाग



गया। कि रिपोर्ट पर थाना सिमगा में अपराध क्रमांक 596/2025 धारा 109,61(2) का बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में थाना सिमगा पुलिस द्वारा जांच एवं विवेचना कार्यवाही कर तत्काल कार्यवाही करते हुए आरोपिया निशा कुंभकार को हिरासत में लिया गया, जिससे

हमला कर अपने पति को गंभीर चोट पहुंचाया स्वीकार किया गया। की प्रकरण में आरोपिया को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। प्रकरण विवेचना में है तथा प्रकरण में फरार एक अन्य आरोपी की थाना सिमगा पुलिस द्वारा सरगमी से पता तलाश की जा रही है।

देवभोग। गरियाबंद पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए अंतर्राज्यीय स्तर पर सक्रिय वन्यजीव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है थाना देवभोग और सायबर टीम की संयुक्त कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से जीवित सालकापरी (पैंगोलिन) और वन्यजीव से जुड़ी सामग्री बरामद की गई है। **गुप्त सूचना पर देवभोग पुलिस की त्वरित कार्रवाई** –अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस को सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध लोग वन्यजीव की तस्करी करने की षिाक में हैं। सूचना पर थाना देवभोग पुलिस ने तत्काल घेराबंदी की और ओडी 08 डी 7638 नंबर की कार एवं सीजी 05 सी 9151 नंबर की मोटरसाईकिल को रोककर तलाशी ली। **पुलिस ने किया चौकाने वाला खुलासा** – तलाशी के दौरान पुलिस को 9.000 किलोग्राम जीवित सालकापरी



(पैंगोलिन) एवं 6.13 किलोग्राम सालकापरी का छल बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पैंगोलिन की तस्करी ओडिशा से छत्तीसगढ़ होते हुए अन्य राज्यों में ऊंचे दामों पर बेचने के लिए कर रहे थे।

गिरफ्तार आरोपी — ओडिशा से छत्तीसगढ़ तक फैला नेटवर्क – भकुला पात्र 55 वर्ष निवासी ग्राम भकुला, जिला कालाहांडी (ओडिशा), तिरापा पात्र 52 वर्ष निवासी ग्राम नेपालसाल जिला

कालाहांडी (ओडिशा), नागेश पात्र 35 वर्ष निवासी ग्राम हिलोजुडुआ, थाना देवभोग जिला गरियाबंद (छत्तीसगढ़)। **बरामद सामग्री** – जीवित सालकापरी (पैंगोलिन) – 09.000

किलोग्राम, सालकापरी का छल – 6.13 किलोग्राम, मोटरकार क्रमांक ओडी 08 डी 7638, मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 05 सी 9151। **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज** – आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 27, 29, 31, 39, 51(1) तथा छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1972 के तहत मामला दर्ज किया गया है पुलिस आरोपियों से और पूछताछ कर तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। **एसपी ने टीम की सराहना की** – गरियाबंद पुलिस अधीक्षक ने देवभोग थाना प्रभारी और सायबर टीम को तत्परता की प्रशंसा की है उन्होंने कहा कि वन्यजीव तस्करी जैसे अपराधों के खिलाफ यह कार्रवाई एक मजबूत संदेश है कि ऐसी गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ महतारी के मूर्ति तोड़े जाने पर भारी आक्रोश

तिल्दा नेवरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश अपने स्थापना के रजत जयंती मनाने तैयारी में जुटा है। ठीक उसी समय छत्तीसगढ़ राज्य के राजधानी रायपुर मे तेलीबांधा के व्हीआईपी चौक मे स्थापित छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति को तोड़कर सड़क मे फेंकने की घटना व तीन दिन बीत जाने के बाद भी दोषियों को पकड़ पाने मे असफल पुलिस प्रशासन के खिलाफ छत्तीसगढ़िया समाज में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। दोषियों की गिरफ्तार कर कठोर सजा दिलाने के मांग कर रहे। छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अजय यादव व जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष अमित बघेल के साथ 60 महिलाओं व सेनानी साथियों को रायपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर सेन्ट्रल जेल रायपुर भेजे जाने की खबर से भाटापारा के महतारी चौक में छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना, जोहार



छत्तीसगढ़ पार्टी व छत्तीसगढ़िया समाज ने सरकार प्रशासन व पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर शहर थाना भाटापारा मे महामहिम के नाम ज्ञापन सौंपकर इस शर्मनाक व निंदनीय घटना का विरोध कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश के तीन करोड़ निवासीयों के आस्था, सम्मान व आरध्य माता छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा जो राजधानी रायपुर के

तेलीबांधा थाना से कुछ दूर व्हीआईपी चौक में स्थापित थी, इस प्रतिमा को तोड़कर सिर को धड़ से अलग कर सड़क किनारे फेंक दिया गया। छत्तीसगढ़ महतारी के इस अपमान से पूरा छत्तीसगढ़िया समाज आहत है, जिन अपराधियों ने इस घृणित, शर्मनाक, जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने, छत्तीसगढ़ियों को अपमानित करने का जघन्य अपराध किया है, उन दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर

कठोर सजा दिलाया जाए। इस घटना के दो दिन बाद भी शासन-प्रशासन व पुलिस विभाग ने अब तक कोई कार्यवाही नहीं किया है, जो बेहद दुःखद, लापरवाही व प्रशासन की उपेक्षा उदासीनता को दिखाता है। महामहिम राज्यपाल से निवेदन किया है कि इस निंदनीय व कारयराना घटना का संज्ञान लेकर छत्तीसगढ़ राज्य सरकार को त्वरित कठोर कार्यवाही करने हेतु आदेशित करे। वरना मजबूरन प्रशासन के खिलाफ उठा आंदोलन हेतु हम मजबूर होंगे। जिसकी जवाबदारी छत्तीसगढ़ सरकार व प्रशासन की होगी। इस विरोध प्रदर्शन मे चन्द्रकांत यदु, देव प्रसाद वर्मा, गोपाल ध्रुव, खिलेन्द्र वैष्णव, सेनात यदु, मूलचंद साहू, आलोक, देवा, सतीष, तोरण निषाद, जेसीपी जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र यदु, तोरण साहू, जितेंद्र वर्मा, संजय यादव के साथ बड़ी संख्या मे लोग उपस्थित रहे।

महासमुंद जिले से 323 श्रद्धालु मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत हुए प्रयागराज काशी रवाना

■ विधायक सिन्हा ने फूल माला पहनाकर तीर्थयात्रियों को दी शुभकामना

महासमुंद। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत महासमुंद जिले के पांचों विकासखंडों से कुल 323 श्रद्धालु 18 बसों के माध्यम से पवित्र तीर्थस्थलों प्रयागराज, हनुमानगढ़ एवं काशी विश्वनाथ के दर्शन हेतु रवाना हुए। यह पांच दिवसीय यात्रा 27 से 31 अक्टूबर 2025 तक आयोजित की गई है। रवाना होने के पूर्व सभी श्रद्धालुओं का मेडिकल चेक अप कराया गया। इस अवसर पर महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने ध्वज दिखाकर श्रद्धालुओं को यात्रा के

लिए रवाना किया। कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष देवी चंद राठी, येतराम साहू, पवन पटेल, महेंद्र सिक्का, राजू चंडाकर, माखन पटेल, मीना वर्मा, रिंकू चंद्राकर, शरद मराठ, राकेश चंद्राकर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाज कल्याण विभाग, जनपद पंचायत एवं नगरीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। विधायक सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा आरंभ की गई थी, किंतु पूर्ववर्ती सरकार के पांच वर्ष के कार्यकाल में यह योजना बंद रही। वर्तमान में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इस जनकल्याणकारी योजना को पुनः प्रारंभ किया गया है। उन्होंने

श्रद्धालुओं को फूल माला पहनाकर और तिलक लगाकर शुभकामनाएं दी। ज्ञातव्य है कि योजना अंतर्गत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के श्रद्धालु तीर्थ यात्रा के पात्र हैं। यदि पति-पत्नी साथ यात्रा करना चाहें तो उनमें से एक को आयु सीमा में झूट दी जाती है। योजना के तहत प्रत्येक माह पात्र श्रद्धालुओं को शासन द्वारा निर्धारित तीर्थस्थलों का निःशुल्क दर्शन कराया जाएगा। यह योजना पूर्णतः निःशुल्क है। यात्रा के दौरान आवागमन, ठहरने एवं भोजन की सभी व्यवस्थाओं का वहन राज्य शासन द्वारा किया जाता है। इससे वरिष्ठ नागरिकों को न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक अनुभव प्राप्त होगा, बल्कि समाज और संस्कृति से उनका आत्मिक जुड़ाव भी सुदृढ़

होगा। महासमुंद जनपद से 52, बागबाहरा से 47, पिथौरा से 50, बसना से 40, सरायपाली से 43, नगरपालिका महासमुंद से 50, बागबाहरा से 6, सरायपाली से 15, तुमगांव से 6, पिथौरा से 6 तथा नगर पंचायत बसना से 5 श्रद्धालु शामिल हैं। इनके साथ कुल 9 अनुसूचक भी यात्रा पर गए हैं। इस तीर्थ यात्रा से श्रद्धालुओं में उत्साह एवं श्रद्धा का भाव देखा गया। श्रद्धालु सुखिया ध्रुव,मचेवा, दुलारी साहू, बागबाहरा से फौज सिंह और ठाकुर दीवान, पिथौरा की रेखा प्रधान सहित सभी श्रद्धालुओं ने राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए इस जनकल्याणकारी योजना को जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया।

दीपावली पर्व पर शांति भंग के आरोप में 45 लोगों को भेजा गया जेल



तिल्दा नेवरा। दीपावली पर्व में असमाजिक तत्वों पर लगातार कसते हुए तिल्दा नेवरा पुलिस ने बड़ी कार्यवाही किया है। दीपावली पर्व पर शांति भंग करने के आरोप में 45 लोगों को जेल भेजा गया, वहीं 60 से अधिक व्यक्तियों पर बाउंड ओवर की कार्यवाही की गई। तिल्दा नेवरा थाना प्रभारी रमाकांत तिवारी के नेतृत्व में इसे एक बड़ा कार्यवाही माना जा रहा है। रायपुर जिला के तिल्दा नेवरा पुलिस की संयुक्त टीम, एटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने दीपावली पर्व के दौरान शांति भंग करने वाले आरोपियों पर सख्ती

बरते हुए कड़ी कार्यवाही किया गया है, पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दीपावली पर्व की मद्देनजर पुलिस ने असमाजिक तत्वों पर लगातार कसना शुरू कर दिया था। पुलिस प्रशासन का आशय था कि इस त्योहार में कोई अप्रिय घटना ना हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन काफी सतर्क नजर आये, थाना प्रभारी रमाकांत तिवारी के नेतृत्व में तिल्दा नेवरा पुलिस एवं एटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की संयुक्त पेट्रोलिंग टीम तैयार कर क्षेत्र में पेट्रोलिंग करते हुए ग्रामीण अंचल के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों के

सहयोग से दीपावली पर्व को शांति पूर्ण रूप से संपन्न करने में सफलता हासिल किया। थाना प्रभारी की रमाकांत तिवारी के नेतृत्व की क्षेत्र में काफी प्रशंसा हो रही है, जिसके कुशल नेतृत्व से दीपावली पर्व पर क्षेत्रवासियों ने परिजनों के साथ शांतिपूर्ण त्योहार का आनंद लिया। पुलिस की पेट्रोलिंग टीम ने उत्पात मचाने वाले असामाजिक तत्वों एवं संदिग्ध को शांति भंग एवं संज्ञेय अपराध घटित करने के पूर्व ही तत्काल हिरासत में ले लिया। तिल्दा-नेवरा पुलिस ने धारा 170 बी एस एम एस के तहत कुल 46 आरोपियों को जेल भेजा।

कसडोल से सम्पूर्ण नेत्र सुरक्षा कार्यक्रम की शुरुआत, स्वास्थ्य टीम घर-घर जाकर करेगी सर्वे



बलौदाबाजार। जिले में इस वर्ष संपूर्ण नेत्र सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत विकासखंड कसडोल को चुना गया है जिसमें स्वास्थ्य कर्मचारी विकासखंड की 2 लाख 85 हजार जनसंख्या का घर-घर सर्वे कर नेत्र रोगों की पहचान करेंगे। सीएमएचओ डॉ राजेश कुमार अवस्थी ने कसडोल में सर्वे टीम को हरी झंडी दिखा कर खाना करते हुए कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। सीएमएचओ ने बताया कि जिले के अन्य चार विकासखंडों में पहले ही सम्पूर्ण नेत्र सुरक्षा कार्यक्रम संपादित किया जा चुका है ऐसे में शेष कसडोल में इस बार किया जा

रहा है ।इस कार्यक्रम अंतर्गत नेत्र सुरक्षा बाबत घर-घर सर्वे के माध्यम से लोगों के नेत्र स्वास्थ्य की जाँच होगी । सर्वे में 8 सेक्टर,43 उपस्वास्थ्य केंद्र और 239 गांवों को कवर किया जाएगा। इसमें दृष्टिहीनता, मोतियाबिंद, काँचियाबिंद, दृष्टिदोष, रेटिनोपैथी, स्वास्थ्य शिक्षा, नेत्रदान जैसी प्रमुख गतिविधियां किया जाएगा। सर्वे में सर्वप्रथम ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक घरों में जाकर इस बारे में पता लगाएंगे, चिन्हित व्यक्ति का विवरण पश्चात नेत्र सहायक अधिकारी को दिया जाएगा जो उक्त मरीजों का पुनः परीक्षण करेंगे।

सूर्योदय से सूर्यास्त तक दित्यता और आस्था का अदभुत संगम

रायपुर। छठ पूजा सूर्य देव और छठी मैया की आराधना का पवित्र पर्व है, जो पूरे देश में भक्ति और आस्था के साथ मनाया जाता है। राजधानी के आमातालाब के घाट में इस पर्व की भव्यता के लिए प्रसिद्ध हैं। कार्तिक मास की अमावस्या को दीवाली मनाने के बाद मनाये जाने वाले इस चार दिवसीय व्रत की सबसे कठिन और महत्त्वपूर्ण रात्रि कार्तिक शुक्ल षष्ठी को होती है। कार्तिक शुक्ल षष्ठी के षष्ठी को यह व्रत मनाये जाने के कारण इसका नामकरण छठ व्रत पड़ा। कार्तिक मास शुक्ल षष्ठ चतुर्थी तिथि, पंचमी तिथि, षष्ठी तिथि और सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। रायपुर विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष रमेश शर्मा ने बताया कि नहाय खाय के साथ ही निर्जला व्रत भी शुरू हो जाता है। छठ महापर्व का शुभारंभ कार्तिक शुक्ल चतुर्थी शनिवार



25 अक्टूबर से हो गया है। इस दिन व्रती स्नान कर शुद्ध भोजन ग्रहण करते हैं। राजधानी रायपुर की महिलाओं ने नहाय-खाय वाले दिन से ही पवित्र व्रत छठ का प्रसाद बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। व्रती के साथ घर के सदस्य मिलकर इसकी तैयारी रहे हैं। छठ का प्रसाद बनाने के लिए चूल्हा और बर्तन बिल्कुल अलग होता है। इसके अलावा व्रती और परिवार के सदस्यों को लहसुन, प्याज इत्यादि खाना वर्जित होता है। छठ पूजा सूर्य देव और छत्री मैया की आराधना का पवित्र पर्व है, जो पूरे देश में भक्ति और आस्था के साथ मनाया जाता है। रायपुर के

आमातालाब घाट में इस पर्व की भव्यता के लिए प्रसिद्ध हैं। 27 अक्टूबर कार्तिक शुक्ल षष्ठी सोमवार को शाम 6.30 बजे डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। 28 अक्टूबर कार्तिक शुक्ल सप्तमी को प्रातः 6 बजे उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत समाप्त किया जाएगा। रायपुर के आमातालाब में छठ पूजन हेतु घाट की साफ सफाई, विद्युत व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पूजन व्यवस्था हेतु समाज के सदस्यों ने विशेष व्यवस्था की गई है। विशेष व्यवस्था हेतु समाज के युवा वर्ग से सुरज शर्मा, विनय शर्मा, रोहित, विश्वकर्मा संतोष विश्वकर्मा, शंकर शर्मा, सुनील शर्मा, सत्री शर्मा, आकाश शर्मा एवं अन्य सदस्यों ने अपना योगदान दिया है और समाज के सभी वर्ग के सदस्य, महिलाओं, बच्चों को इस आयोजन में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने के लिए अप्रग्रह किया है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री साय ने जशपुर में दुलदुला छठ घाट में सूर्य को दिया अर्घ्य प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने आज छठ महापर्व के अवसर पर दुलदुला छठ घाट में पहुँचकर सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को छठ पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत सौभाग्य का अवसर है कि मुझे छठ पर्व में सम्मिलित होने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनता के विश्वास और स्नेह से ही उन्हें जनसेवा का अवसर मिला है, और वे क्षेत्र के विकास एवं जनता की अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने दुलदुला क्षेत्रवासियों की माँग पर छठ घाट के सौन्दर्यीकरण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आगामी छठ पर्व तक दुलदुला छठ घाट का सौन्दर्यीकरण कार्य पूर्ण कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुनकुरी छठ घाट का सौन्दर्यीकरण लगभग 25 करोड़ 17 लाख की लागत से किया गया है, जहाँ इस वर्ष व्रती महिलाएँ पूर्ण श्रद्धा-भाव से पूजा-अर्चना कर रही हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, जनपद पंचायत दुलदुला अध्यक्ष श्री रामकुमार सिंह, आईसी श्री दीपक कुमार झा, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह सहित छठ व्रत करने वाली महिलाएँ, जनप्रतिनिधिगण एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने , सूर्यदेव को अर्पित किया संध्या अर्घ्य प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए की छठी मईया से कामना

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज छठ पर्व के अवसर पर सूरजपुर जिले के भटगांव स्थित शिव मंदिर और हनुमान मंदिर के पास बने छठ घाट पर पहुँचकर श्रद्धा और भक्ति के साथ सूर्य देव को संध्या अर्घ्य अर्पित किया। उन्होंने पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने घाट पर उपस्थित व्रतियों से आत्मीय भेंट की और उन्हें नारियल एवं फल भेंट कर छठी मईया से आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने छठ पूजा को भारतीय संस्कृति का अद्भुत पर्व बताते हुए कहा कि यह पर्व आस्था, पर्यावरण और परिवार के सामूहिक बंधन का प्रतीक है। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती विविधता में एकता और लोक परंपराओं की समृद्धि के लिए जानी जाती है। यहाँ हर पर्व सामाजिक एकता और महिला शक्ति के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। छठ पूजा में महिलाओं की आस्था और तप का जो स्वरूप देखने को मिलता है, वह समाज को अनुशासन, निष्ठा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक, महिला समूहों की सदस्याएँ तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। वातावरण ‘छठी मईया के जयकारों’ से गुंज उठा।

विकसित भारत के लिए स्वदेशी, स्वभाषा, स्व वेशभूषा अपनाना जरूरी है – विधायक अग्रवाल

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा एक पत्रकार वार्ता आयोजित कर आत्मनिर्भर भारत अभियान पर की चर्चा। आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वर्तमान बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल भी शामिल हुए। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारी और मीडिया प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मीडिया से चर्चा के दौरान विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2047 में देश अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा। इस अवसर पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, और इसके लिए हर नागरिक को अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने आगे बताया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा इस संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से 25 सितंबर से 25 दिसंबर तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

6 नवंबर से रुक सकती है एलपीजी की होम डिलीवरी, वितरकों ने दी चेतावनी

रायपुर। यदि आप घर पर एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी लेते हैं, तो यह खबर आपके लिए अहम है। प्रदेशभर में गैस एजेंसी संचालकों ने कमीशन बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। चेतावनी दी गई है कि यदि उनकी मांगों जल्द नहीं मानी गई, तो 6 नवंबर से सिलेंडर की होम डिलीवरी बंद कर दी जाएगी। एचपीसीएल, बीपीसीएल और इंडियन ऑयल के डिस्ट्रीब्यूटर लंबे समय से कमीशन वृद्धि की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि बढ़ते डीजल दाम, कर्मचारियों के वेतन और अन्य खर्चों के बावजूद कमीशन में कोई इजाफा नहीं हुआ है। इसी के विरोध में एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन ने तीन चरणों में आंदोलन का ऐलान किया है।

मुख्यमंत्री के बिजली विभाग के टेंडर में बड़ा खेल

ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता खत्म होने से किसान असुरक्षित होंगे

रायपुर । संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार ने कृषि भूमि की रजिस्ट्री के समय ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता समाप्त कर दिया। सरकार का यह कदम अदूरदर्शी है। ऋण पुस्तिका एक मात्र ऐसा दस्तावेज है जो राजस्व विभाग की तरफसे भू-स्वामी के अधिकार को प्रमाणित करता है। बी-1 खसरा खतौनी सभी कुछ तो ऑनलाइन है कोई भी, कहीं से भी निकाल सकता है। ऋण पुस्तिका को किसान के लिए पटवारी बना कर देता है जो किसान, भू-स्वामी संभाल कर रखता है, यह उसके भूमि का प्रमाणित दस्तावेज होता है जिसमें उसकी फोटो भी लगती है। बिकी के समय रजिस्ट्रार द्वारा किसान के ऋण पुस्तिका अनिवार्य रूप से परीक्षण किया जाता था। सरकार के द्वारा ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता समाप्त करने से फर्जी रजिस्ट्री और धोखा होने की संभावना बढ़ जाएगी। यह निर्णय जमीन खरीदने बेचने वाले दोनों के हितों के खिलाफहै। सरकार

मोदी का कार्यक्रम बदला, अब 1 नवंबर की सुबह आएंगे.....

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब 31 अक्टूबर की रात की जगह सिधे 1 नवम्बर को नवा रायपुर पहुंचेंगे। बताया जाता है कि बिहार चुनाव की वजह से उनके आने के समय में बदलाव हुआ है। शेष कार्यक्रम यथावत रहेगा। डिप्टी सीएम अरुण साव ने बताया कि प्रदेश के रजत जयंती वर्ष पर होने वाले राज्योंत्सव को यादगार बनाने के लिए प्रधानमंत्री नवा रायपुर में रोड शो भी करेंगे। बता दें कि पीएम के रोड शो के लिए नवा रायपुर की करीब 12 चौक-चौराहों को आकर्षक तरीके से सजाया जा रहा है। इन चौकों पर छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, लोक परंपरा और विकास योजनाओं को प्रेक्षक देखने को मिलेगी। पीएम की तैयारियों के मद्देनजर नवा रायपुर की रंगाई-पोताई का काम भी जोरो पर चल रहा है। बिजली के खंभों को भी आकर्षक तरीके से सजाया जा रहा है। इसके अलावा राज्योंत्सव स्थल पर पड़ने वाले चौकों को भी खास अंदाज में तैयार किया जा रहा है।

नक्सलियों के हथियार त्यागकर पुनर्वास पर शर्मा ने जताया हर्ष

रायपुर । संवाददाता

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज अपने निवास कार्यालय में पत्रकारों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। जिसमें उन्होंने बताया कि बस्तर रेंज में आने वाले केशकल डिवीजन (नॉर्थ सब ज़ोनल ब्यूरो) के कुंप्मारी एवं किसकोडो एरिया कमेटी और संबंधित 21 सशस्त्र नक्सलियों ने आज हथियार और हिंसा का मार्ग छोड़कर सम्मानपूर्वक पुनर्वास कर मुख्यधारा में जुड़ने का मार्ग चुना है, जो बहुत हर्ष का विषय है। जिनमें डिवीजन कमेटी सेक्रेटरी मुकेश भी शामिल हैं। पुनर्वास करने वाले 21 माओवादी कैडर में 13 महिला कैडर और 08 पुरुष कैडर शामिल हैं। इन माओवादी कैडरों द्वारा 18 हथियारों को समर्पित किया गया है, जिसमें 03 एके-47 रायफ्ल, 04 एसएलआर



नई ऋण पुस्तिका की छपवाई नहीं कर पा रही तो उसने इसकी उपयोगिता ही समाप्त करने का आदेश जारी कर दिया। कांग्रेस, सरकार के इस निर्णय का विरोध करती है, यह कदम जन विरोधी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बिजली विभाग, जो मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का विभाग है, वहां पर सब

इन चौकों को जीवंत बनाने के लिए बस्तर से लेकर सरगुजा तक के कलाकार अपने पारंपरिक पहनावे और वाद्य यंत्रों के साथ मौजूद रहेंगे। इस दौरान नवा रायपुर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पीएम के रोड शो के दौरान सभी मार्गों को सील कर दिया जाएगा। नवा रायपुर में 5 दिवसीय राज्योंत्सव का आयोजन होगा, जबकि सभी जिला मुख्यालयों में 3 दिवसीय राज्योंत्सव मनाया जाएगा। इस बार यह आयोजन अधिक व्यापक और ऐतिहासिक स्वरूप में किया जा रहा है। नवा रायपुर में हर दिन अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसमें छत्तीसगढ़ के साथ-साथ बॉलीवुड के कलाकार भी प्रस्तुति देंगे। डिप्टी सीएम साव ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदृष्टि से बना छत्तीसगढ़ आज विकास, समृद्धि और जनकल्याण के मार्ग पर अग्रसर है। पिछले 25 वर्षों में राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और आर्थीसंरचना के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं।

स्टेशनों के संचालन के टेंडर प्रक्रिया में गंभीर अनियमित उजागर हुई है। संचालन दर 500 रु. प्रतिदिन के बजाय अब चार गुना बढ़ाकर 2000 दर पर टेंडर किया गया है, यही नहीं 1700 के सामान 3700 में खरीदे जा रहे हैं, इस तरह से 1950 सब स्टेशनों में 150 करोड़ रुपए से अधिक हर माह अतिरिक्त भुगतान 33/11 के वेंकी

रायपुर एयरपोर्ट से दिल्ली की दो नई उड़ानें, प्रयागराज सेवा फ़िर बंद

रायपुर। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से हवाई यात्रियों के लिए नई सुविधा जुड़ने जा रही है। विमानन कंपनियों के नए शेड्यूल के साथ दिल्ली के लिए दो नई उड़ानें शुरू होंगी, जबकि प्रयागराज की फ्लाइट एक बार फ़िर बंद कर दी गई है। इंडिगो एयरलाइंस ने रायपुर प्रयागराज सेक्टर की सेवा को हटा दिया है। यह फ्लाइट पहली बार 28 जून 2019 को शुरू हुई थी, जिसे 29 अक्टूबर 2023 को बंद किया गया था। इसके बाद 16 अगस्त 2024 को दोबारा शुरुआत की गई थी। शनिवार को इस सेक्टर की आखिरी उड़ान संचालित की गई। यह विमान रोज सुबह 9:05 बजे रायपुर से उड़ान भरता था और 10:25 बजे प्रयागराज पहुंचता था। वापसी में यह 10:50 बजे प्रयागराज से उड़कर 12:20 बजे रायपुर पहुंचता था।

महिंद्रा की त्योहारी सौगात: ट्रक तथा बस ग्राहकों के लिए 10 नई डीलरशिप का उद्घाटन

रायपुर : महिंद्रा पिछले 4 साल के दौरान बिक्री में दर्ज शानदार वृद्धि और ट्रक तथा बस व्यवसाय में अपनी उपस्थिति को और बढ़ाने के लिए इस त्योहारी मौसम में 10 नई डीलरशिप का उद्घाटन कर रही है। ये 10 अत्याधुनिक 3एस डीलरशिप दुर्गापुर, गुवाहाटी, हल्द्वानी, हिसार, भोपाल, हुबली, रायपुर, मुजफ्फरपुर, जालंधर और कानपुर में स्थित हैं। इनमें 60 अतिरिक्त वाहन सर्विस बे भी शामिल हैं, जिनकी कुल क्षमता प्रतिदिन 100 से ज़्यादा वाहनों की सर्विसिंग की है और इसके अलावा यहां ड्राइवर के टिकने की व्यवस्था, 24 घंटे ब्रेकडाउन सहायता और ऐडंब्लू भी उपलब्ध होती है। श्री विनोद सहाय, अध्यक्ष – ट्रक, बस एवं निर्माण उपकरण, एयरोस्पेस एवं रक्षा, कार्यकारी अध्यक्ष, एसएमएल इसुजु लिमिटेड और समूह कार्यकारी बोर्ड के सदस्य, ने इस मौके पर कहा, 10 और 3एस डीलरशिप का जुड़ना ट्रक और बस व्यवसाय के प्रति हमारी गंभीर प्रतिबद्धता और हमारी मज़बूत विकास आकांक्षाओं की और पुष्ट करता है। एसएमएल के साथ, अब हमारे पास 600 से अधिक बिक्री और सेवा टचपॉइंट और स्पेयर रिटेल आउटलेट का विशाल और विस्तृत नेटवर्क है, जो हमारे ग्राहकों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार है।

साव ने विधानसभा भवन के लोकार्पण की तैयारियों का क्रिया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ विधानसभा का नया भवन केवल ख़ूबसूरत इमारत नहीं, हमारी संस्कृति और परंपरा का वाहक है

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 1 नवम्बर को राज्योंत्सव के मौके पर विधानसभा के नए भवन का लोकार्पण करेंगे।

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण की तैयारियों का निरीक्षण किया। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप भी इस दौरान उनके साथ थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 1 नवम्बर को राज्योंत्सव के मौके पर विधानसभा के नए भवन का लोकार्पण

करेंगे। वे विधायकों और आमंत्रित अतिथियों को संबोधित भी करेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नवीन विधानसभा परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी की मूर्ति के अनावरण स्थल, विधानसभा के सदन और मंचीय कार्यक्रम के स्थल का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक

निर्देश दिए। नवा रायपुर के सेक्टर-19 में मंत्रालय (महानदी भवनी) और विभागाध्यक्ष कार्यालय (इंद्रावती भवन) के पीछे 51 एकड़ परिसर में विधानसभा का नया भवन बनाया गया है। श्री साव ने लोकार्पण की तैयारियों का निरीक्षण करते हुए कहा कि 1 नवम्बर का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक होने जा

के सब स्टेशनों के लिए किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि साय सरकार के नाम अनोखा शर्मनाक रिकार्ड दर्ज हो गया है। साय सरकार देश की पहली राज्य सरकार बन गई जिसने अपने कार्यकाल में 1 भी नया स्कूल नहीं खोला और सरकार ने 10463 वर्षों से चल रहे स्कूलों को युक्तियुक्तकरण के नाम पर बंद कर दिया। इन स्कूलों का डायसकोड 1 नवंबर से विलोपित कर दिया जायेगा।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में परीक्षा फ़ैस के नाम पर अवैध वसूली

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस के सरकार के ने उच्च गुणवत्ता युक्त अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा नि:शुल्क प्रदान करने के लिए स्वामी आत्मानंद स्कूलों को खोला था। कांग्रेस की सरकार के समय सरकारी स्कूलों में शिक्षा पूरी तरह से नि:शुल्क थी, अब भाजपा सरकार में 12वें के छात्रों से परीक्षा फ़ैस

जलाशय जीर्णोद्धार कार्यों का किया भूमिपूजन किसानों की खुशहाली के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित-मंत्री राजवाड़े.....

रायपुर/ संवाददाता

लांजित, रैसरा और सम्बलपुर में जलाशय जीर्णोद्धार कार्यों का किया भूमिपूजन महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर जिले के ग्राम लांजित, रैसरा और सम्बलपुर (सेमरा) में आयोजित जलाशय जीर्णोद्धार कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर विकास कार्यों की शुरुआत की। लांजित में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की खुशहाली और सिंचाई संसाधनों के विस्तार के लिए सतत कार्य कर रही है। जलाशयों के जीर्णोद्धार से किसानों को स्थायी जल उपलब्धता सुनिश्चित होगी,



जिससे कृषि उत्पादन को नई दिशा और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण अंचलों के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्प है। किसानों की आय में वृद्धि और सिंचाई सुविधा का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है। सन् 1986 में निर्मित लांजित जलाशय लगभग 39 वर्ष पुराना है, जो लंबे समय से क्षेत्र के किसानों

सिरपुर संस्कृति,इतिहास और अध्यात्म का संगम जहां इतिहास बोलता है



रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में स्थित सिरपुर (श्रीपुर) केवल एक पुरातात्विक स्थल ही नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों का जीवंत प्रतीक है। यह नगर महान सम्राट महाशिवगुप्त बालाजुन की राजधानी रहा है और अपनी स्थापत्य कला, बौद्ध धरोहरों तथा प्राचीन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। सिरपुर का उल्लेख प्राचीन भारतीय ग्रंथों और अभिलेखों में मिलता है। यहाँ भगवान शिव, विष्णु, बुद्ध और जैन धर्म के उपासना स्थलों के अवशेष मिले हैं। 7वीं शताब्दी में चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भी सिरपुर का उल्लेख अपनी यात्राओं में किया है, जिससे इसकी अंतर्राष्ट्रीय ख्याति सिद्ध होती है। यह नगर धार्मिक सहिष्णुता और कला का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। यहाँ 22 रजत जयंती वर्ष में खुद का भव्य और आधुनिक भवन मिलने जा रहा है। हमारा यह नया विधानसभा भवन केवल एक खूबसूरत इमारत ही नहीं है, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपरा का वाहक भी है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बताया कि नए विधानसभा भवन को वर्तमान और भविष्य की जरूरत के हिसाब से बनाया गया है। आधुनिक, सर्वसुविधायुक्त, सुसज्जित इसके सदन को 200 सदस्यों के बैठने के लिए विस्तारित किया जा सकता है। भविष्य में पेपरलेस विधानसभा संचालित हो सके, इसके लिए जरूरी व्यवस्थाओं और तकनीकों का समावेश किया गया है।

के नाम पर बिना रसीद दिए 950 रुपए वसूल कर रहे हैं। जांजगीर चांपा जिले के डोंगाकोहरौद के स्वामी आत्मानंद स्कूल के बच्चों ने कलेक्टर से शिकायत की है लेकिन स्कूली बच्चों की लिखित शिकायत के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई।कमोबेश यह शिकायत पूरे प्रदेश से मिल रही है ।

स्मार्ट मीटर सरकारी लूट का मशीन बन गया है

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार में बिजली के स्मार्ट मीटर आम जनता को लूटने का नया सिस्टम बनाया गया है, पहले जिन घरों में औसत डेढ़ सौ से दो सौ यूनिट बिजली की खपत थी, स्मार्ट मीटर लगने के बाद अचानक से खपत तीन से चार गुना बताया जा रहा है। एक तरफबिजली बिल हाफ योजना की छूट खत्म कर दी गई, दूसरी तरफ स्मार्ट मीटर लगाकर चार गुना वसूली किया जा रहा है।

को खरीफ फसलों के लिए सिंचाई सुविधा प्रदान करता रहा है। बांध की कुल लंबाई 435 मीटर तथा जल भराव क्षमता 24.95 मिलियन क्यूबिक फीट है। इस जलाशय से दो नहरें निकलती हैं — बाई नहर 1650 मीटर एवं दाई नहर 3390 मीटर लंबी है। जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने पर जलाशय अपनी रूपांकित सिंचाई क्षमता 240 हेक्टेयर प्राप्त करेगा, जिससे अधिक किसानों को लाभ मिलेगा।प्रदेश सरकार द्वारा इस जलाशय के जीर्णोद्धार एवं मरम्मत कार्य हेतु 258.55 लाख रुपये के स्वीकृति प्रदान की गई है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी, जल संसाधन विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

संपादकीय

करीब एक महीने पहले जब अमेरिका ने आप्रवासन नीति में एक बड़ा बदलाव करते हुए एच1बी वीजा और उसके लिए शुल्क में भारी फेरबदल कर दिया था, तभी से जमीनी स्तर पर उसके असर और खुद अमेरिका को प्रकांतर से उससे होने वाले नुकसानों को लेकर आशंकाएं जताईं जाने लगी थीं। हालांकि तब भी यह उम्मीद की गई थी कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीते कुछ समय से अमेरिका के हित के नाम पर जिस तरह के फैसले कर रहे हैं, उसमें संभव है कि एच1बी वीजा के संबंध में घोषित नए नियमों की जटिलता और उसके व्यापक असर को देखते हुए फिर किसी बदलाव की गुंजाइश बने। जब एच1बी वीजा के लिए एक लाख डॉलर शुल्क लगाने की घोषणा हुई, तो

क्या अमेरिका ने एच 1 बीजा वीजा नियमों में लिया यू-टर्न?

उस पर खासा विवाद शुरू हो गया और इस फैसले के लिए दुनिया भर में ट्रंप की आलोचना होने लगी, तब इस फैसले में बदलाव करके कुछ राहत दी गई कि नया शुल्क नए आवेदकों के लिए होगा। यह वहां वर्षों या दशकों से रह रहे अन्य देशों के प्रवासियों लिए थोड़ी राहत की बात थी, लेकिन इसे लेकर कई आशंकाएं बनी रही कि आने वाले दिनों में इसका व्यवहार में कैसा असर पड़ेगा। एक समस्या यह भी खड़ी हुई थी कि शुल्क की घोषणा तो कर दी गई, लेकिन उसमें किसी तरह की छूट आदि के बारे में स्पष्ट नहीं किया गया था। यही वजह थी कि इस नए नियम से प्रभावित होने वाले लोगों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। अब ट्रंप

प्रशासन ने इस संबंध में कुछ बिंदुओं को स्पष्ट किया है कि किन्हें यह शुल्क देना होगा, उसे चुकाने की प्रक्रिया क्या होगी और इसमें छूट के लिए आवेदन कैसे किए जा सकेंगे। अमेरिकी नागरिकता तथा आब्रजन सेवा यानी यूएससीआइएस की ओर जारी नए दिशानिर्देशों के तहत यह शुल्क सभी आवेदकों को नहीं देना होगा। जिन आवेदकों ने अपनी स्थिति में बदलाव कराने या अमेरिका में प्रवास या अपनी वीजा अवधि बढ़वाने का आवेदन किया है, उन्हें भी यह अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा। इस आदेश में एच1बी वीजा धारक के अमेरिका में आने-जाने पर प्रतिबंध नहीं है। इसका व्यवहार में असर इस रूप में सामने आएगा कि

केंद्र सरकार द्वारा आयकर योग्य राशि की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख कर दिया गया है। यदि आज किसी नागरिक की आय 12 लाख रुपए तक प्रतिवर्ष है तो उसकी आय पर आयकर नहीं लगने वाला है। साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर की दरों को भी तर्कसंगत बनाया गया है जिसे जीएसटी2.0 का नाम दिया जा रहा है। अब 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दर से ही वस्तु एवं सेवा कर लागू होगा। पूर्व में, 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरें लागू होती थी। अब 12 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरों को समाप्त कर दिया गया है। इससे उपभोक्ताओं को वस्तु एवं सेवा कर की दरों में लगभग 10 प्रतिशत तक का लाभ मिला है। चार पहिया वाहनों पर तो लगभग 60-70,000 रुपए प्रति वाहन तक की बचत हुई है। इस तरह, इस वर्ष दीपावली के त्यौहारी मौसम में भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़े हुए उपभोग का सहारा मिला है।

(प्रह्लाद सबनानी)

भारतीय इतिहास में, दीपावली के त्यौहारी मौसम में, इस वर्ष सबसे अधिक रिकार्ड कारोबार सम्पन्न हुआ है। भारत में नागरिक अब बाजार में दुकानों पर आकर उत्पादों की पूछ परख कर ही उत्पादों की खरीद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वैसे तो प्रतिवर्ष ही भारत में धनतेरस एवं दीपावली के शुभ अवसर पर भारतीय नागरिकों द्वारा विभिन्न उत्पादों विशेष रूप से स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों की खरीद को शुभ माना जाता है। अतः इस त्यौहारी मौसम में विभिन्न उत्पादों की भारत में बिक्री बहुत बढ़ जाती है। परंतु, इस वर्ष तो केंद्र सरकार द्वारा लिए गए कुछ निर्णयों के चलते भारतीय बाजार में सोने एवं चांदी सहित विभिन्न उत्पादों की बिक्री में बेतहाशा वृद्धि दर्ज हुई है।

केंद्र सरकार द्वारा आयकर योग्य राशि की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख कर दिया गया है। यदि आज किसी नागरिक की आय 12 लाख रुपए तक प्रतिवर्ष है तो उसकी आय पर आयकर नहीं लगने वाला है। साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर की दरों को भी तर्कसंगत बनाया गया है जिसे जीएसटी2.0 का नाम दिया जा रहा है। अब 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दर से ही वस्तु एवं सेवा कर लागू होगा। पूर्व में, 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरें लागू होती थी। अब 12 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरों को समाप्त कर दिया गया है। इससे उपभोक्ताओं को वस्तु एवं सेवा कर की दरों में लगभग 10 प्रतिशत तक का लाभ मिला है। चार पहिया वाहनों पर तो लगभग 60–70,000 रुपए प्रति वाहन तक की बचत हुई है। इस तरह, इस वर्ष दीपावली के त्यौहारी मौसम में भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़े हुए उपभोग का सहारा मिला है।

भारतीय इतिहास में, दीपावली के त्यौहारी मौसम में, इस वर्ष सबसे अधिक रिकार्ड कारोबार सम्पन्न हुआ है। भारत में नागरिक अब बाजार में दुकानों पर आकर उत्पादों की पूछ परख कर ही उत्पादों की खरीद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी कारण से इस वर्ष के दीपावली त्यौहारी मौसम में भारतीय बाजार में दुकानों पर बहुत अधिक भीड़ दिखाई दी है। कनफेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) द्वारा सम्पन्न किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के 35 नगरों के वितरण केंद्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष लगभग 5.4 लाख करोड़ रुपए का व्यापार दीपावली के त्यौहारी मौसम में सम्पन्न हुआ है। वर्ष 2021 में इसी त्यौहारी मौसम में 1.25 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2022 में 2.50 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2023 में 3.75 लाख करोड़ रुपए एवं वर्ष 2024 में 4.25 लाख करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न हुआ था। इस वर्ष अभी आगे आने वाले समय में गोवर्धन पूजा, भाई दूज, छठ एवं तुलसी विवाह आदि त्यौहार भी उत्साह पूर्वक मनाए जाने हैं। ऐसा अनुमान किया जा रहा है कि इस वर्ष इस दौरान भी लगभग 80,000 करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। इस प्रकार इस वर्ष भारत में त्यौहारी मौसम में कुल व्यापार का आंकड़ा 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने की प्रबल सम्भावना है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में सम्पन्न हुए व्यापार के आंकड़ों की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है।

इस वर्ष भारत के नागरिकों में स्वदेशी उत्पाद खरीदने की होड़ सी रही है। इसी प्रकार, एक अनुमान के अनुसार, इस वर्ष धनतेरस त्यौहार के दौरान सोमी चांदी के गहनों, सिक्कों एवं अन्य वस्तुओं के कारोबार का स्तर भी 60,000 करोड़ रुपए के आसपास रहा है। बाजार में हालांकि इस वर्ष सोने एवं चांदी के भाव आसमान छू रहे हैं। वर्ष 2024 की दीपावली पर सोने का भाव लगभग 80,000 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो इस वर्ष बढ़कर 130,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, अर्थात



लगभग 62 प्रतिशत अधिक। चांदी का भाव भी वर्ष 2024 में 98,000 रुपए प्रति किलोग्राम था जो इस वर्ष बढ़कर 180,000 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है, अर्थात लगभग 83 प्रतिशत अधिक। एक अन्य अनुमान के अनुसार, दीपावली के इस त्यौहारी मौसम में भारत में स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों की कुल मिलाकर 1.35 लाख करोड़ रुपए की बिक्री हुई है। भारतीय बाजारों में लगभग 46 टन सोने की बिक्री हुई है।

दीपावली के पावन पर्व पर इस वर्ष 600,000 वाहन एक दिन में बिके हैं। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। इससे यह भी सिद्ध हो रहा है कि है कि भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कह रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था डेड है, भारतीय अर्थव्यवस्था में लगातार तेज हो रही विकास दर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयानों को झुलटा रही है।

वित्तीय वर्ष 2025–26 की प्रथम तिमाही, अप्रैल–जून 2025, में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7.3 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है। जबकि, द्वितीय तिमाही जुलाई-सितम्बर 2025 में एवं तृतीय तिमाही अक्टोबर-दिसम्बर 2025 में भी भारतीय अर्थव्यवस्था के रिकार्ड स्तर पर आर्थिक विकास दर हासिल करने की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। भारत में द्वितीय तिमाही में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम (दुर्गा उत्सव, दशहरा, धनतेरस एवं दीपावली, आदि) में विभिन्न उत्पादों की रिकार्ड वृद्धि दर्ज होती हुई दिखाई दी है। यह प्रवाह तीसरी तिमाही में भी जारी रहने की प्रबल सम्भावना दिखाई दे रही है क्योंकि त्यौहारी मौसम अभी इस अवधि में भी जारी रहेगा जो 25 दिसम्बर (क्रिसमस) एवं 31 दिसम्बर (नव वर्ष) तक जारी रहेगा। साथ ही, शायदियों का मौसम भी आने वाला है,

इस मौसम में भारत में लाखों की संख्या में शायियां सम्पन्न होती हैं, और शायियों के इस मौसम में विभिन्न उत्पादों (स्वर्ण, चांदी, कार, टीवी, रेफ्रिजरेटर, एसी, आदि) की मांग में बेतहाशा वृद्धि दर्ज होती है। इस बीच भारत में धार्मिक पर्यटन भी अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। अयोध्या, वाराणसी, चार धाम, वैष्णो देवी, महाकाल मंदिर, तिरुपति बालाजी, मीनाक्षी मंदिर आदि में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे धार्मिक पर्यटन से भी उत्पादों का उपभोग बढ़ रहा है, जो अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक हो रहा है एवं रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित कर रहा है।

भारत में अब देश में ही निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, इस कार्य में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वदेशी अपनाने की अपील पर भारतीय नागरिक अपना भरपूर सहयोग कर रहे हैं। भारत में ही निर्मित उत्पादों के उपभोग का स्तर सकल घरेलू उत्पाद के 60-70 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसी कारण से भारत को देशीय उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था कहा जा रहा है। भारत में आंतरिक उपभोग के लगातार मजबूत होने के चलते भारत अब दुनिया के कई देशों के निवेशकों के लिए निवेश के केंद्र के रूप में उभर रहा है, क्योंकि भारत की 140 करोड़ आबादी इन निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। भारत में ही निर्मित किए जाने वाले उत्पादों के लिए भारत में ही बहुत बड़ा बाजार उन्हें उपलब्ध है। आगे आने वाले समय में भारत के वित्तीय एवं बैंकिंग क्षेत्र में 50,000 करोड़ रुपए से अधिक का विदेशी निवेश भारत में आने जा रहा है। अमेरिकी कम्पनी ऐपल अपना पूरा उत्पादन सिस्टम भारत में ला रहा है एवं स्मार्ट मोबाइल फोन का भारत में उत्पादन कर उसे विश्व के अन्य देशों को भारत से निर्यात किया जाएगा।

भारत के विशाल बाजार को देखते हुए आज विश्व के कई देश भारत के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न करने के लिए लालायित दिखाई दे रहे हैं। भारत का अभी हाल ही में ओमान, कतर, यूनाइटेड किंगडम और यूरोप के चार देशों के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न हुआ है। यूरोपीयन यूनियन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौता के सम्बंध में वार्ताएं सफलता पूर्वक आगे बढ़ रही हैं एवं इसके शीघ्र ही सम्पन्न होने की सम्भावना है।

साथ ही, भारत और अमेरिका के बीच भी द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता नवम्बर 2025 तक सम्पन्न होने की सम्भावनाएं अब दिखाई देने लगी है। सम्भव है कि नवम्बर 2025 माह में अमेरिका के राष्ट्रपति डानल्ड ट्रम्प भारत आकार इस समझौते की घोषणा करें।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शीघ्र भारत आ रहे हैं और रूस के भारत के साथ व्यापार बढ़ाने पर जोर दिए जाने की प्रबल सम्भावना है। भारत अभी रूस से भारी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कर रहा है एवं रूस को भारत से निर्यात होने वाले उत्पादों की मात्रा अभी बहुत कम है। इस तरह भारत का रूस के साथ व्यापार घाटा बहुत अधिक हो गया है। चीन के साथ भी भारत का व्यापार घाटा बहुत अधिक मात्रा में है, जिसे कम करने के लिए चीन के साथ भी भारत की बातचीत चल रही है।

कुल मिलाकर आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक विकास दर के तेज होने की प्रबल सम्भावना है, जो 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक के आंकड़ों को भी छू सकती है।

(लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है।)
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अगर कोई आवेदक किसी दूसरे वीजा, मसलन अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए एफ1बीजा, अंतरराष्ट्रीय कर्पनियों के लिए एल1बीजा पर अमेरिका में दाखिल होता है और वहां रहते हुए एच1बीजा हासिल करता है, तो उसे नया अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। इस नई घोषणा के बाद वहां एच1बी वीजा के दायरे में आने वाले एक बड़े वर्ग और खासतौर पर भारत से वहां गए लोगों के बीच काफी राहत महसूस की जा रही है। गौरतलब है कि इस वीजा के लिए सबसे ज्यादा भारत के ही लोग आवेदन करते हैं। पिछले वर्ष कुल स्वीकृत एच1बी वीजाधारकों में से सत्तर फीसद भारतीय मूल के कर्मचारी थे। यों भी, भारत से अमेरिका जाने वाले पेशेवरों की संख्या अन्य देशों के लोगों के मुकाबले ज्यादा है। दरअसल, यह समूचा विवाद अमेरिका में अन्य देशों से पहुंचे पेशेवरों से जुड़ा मसला है, जो स्थानीयता और अमेरिकियों के बीच अवसरों के मुद्दे से जोड़ दिया गया है।

अरावली पर्वतमाला विविधताओं का बसेरा और आवास (नेहा हेगड़े)

यहां का जलवायु गर्म अर्ध शुष्क और शुष्क हैं। इस क्षेत्र के दक्षिण पूर्व में अरावली पर्वतमाला इसको घेरता है और थार रेगिस्तान एवं सिंधु घाटी रेगिस्तान इस क्षेत्र के घेर में हैं। अरावली पर्वतमाला डेढ़ अरब साल पुरानी विश्व में सबसे पुरातन पर्वतमालाओं में से एक है। यह बालू और हरित आवरण दोनों से युक्तएं सुंदर और रमणीय चोटियां और घाटियां की माला है जिनकी खूबसूरती की तो दाद देनी पड़ेगी। यहां के विभिन्न क्षेत्रों में भौगोलिक विशेषताओं के कारण यह अनेक जीवों को आवास देता है। यह थार रेगिस्तान और विविध नदियों से परिवृत हैए जैसेए बनासए लुिन और साबारमती नदियां। अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क यहां के पारिस्थितिक पुनर्स्थापना को दर्शाता है। पश्चिमी अरावली के काटेदार झाड़ीदार जंगल मरुस्थल और शुष्क क्षुपभूमियों में गिने जाते हैं। वर्षोंय 500 से 600 मिमी बरसात पाने वाला यह क्षेत्र आंधी तूफान से संभावित है। यहां का जलवायु गर्म अर्ध शुष्क और शुष्क हैं। इस क्षेत्र के दक्षिण पूर्व में अरावली पर्वतमाला इसको घेरता है और थार रेगिस्तान एवं सिंधु घाटी रेगिस्तान इस क्षेत्र के घेर में हैं। इस जंगल में अकेशिया सेनेगल और अकेशिया लुकोफ्लोईया यानी रेवंजा प्रमुख वृक्षों में हैं। अकेशिया सेनेगल खे के नाम से जाना जाता है। इस से उत्पन्न होने वाला गोंद राजस्थान के बाड़मेर में कुमट नाम से प्रसिद्ध हैए जो औषधीय गुणों से युक्त है। रेवंजा अपनी सफ़ेद खाल से बनने वाले पदार्थ के आयुर्वेदिक तत्वों के लिए इस्तेमाल होता है जो पाचन से संबंधित परेशानियों का हल है। यहां और भी कई जैरोफाइटिक पेड़ पौधे पाए जाते हैं। यहां के लगभग 90 स्तनपायी प्रजातियों में से कुछ मांसभक्षी और कुछ शाकाहारी हैं। यहां तेंदुआ पाया जाता है जो चिंकारा का शिकार करते हैं, जो एक प्रकार का गर्जुल है। भारतीय रेगिस्तानी बिब्ली या एशियाई जंगली बिब्ली यहां की एक प्रमुख प्रजाति है। नील गाय काला हिरण और चींमिंगा यहां के शाकाहारी जानवरों में से हैं। भारतीय जरबिल यहां पाया जाता है जिसका कुछ मांसभक्षी जानवरों द्वारा शिकार होता है और यह बालू में अपने खाद्य और शयन के लिए बिल खोदता है। पश्चिमी अरावली जंगल में 400 से भी अधिक पक्षियां पाई जाती हैं जिनमें से काफी प्रवासी पक्षी प्रजातियां हैंए जैसे कि जैकोबिन कोयल। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड या गोडावण यहां की एक गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजाति हैए और लेसर फ्लोरिकन या खरमौर भी यहां की प्रमुख प्रजातियां हैं। यहां के बिश्नोई समुदाय ने इस जंगल की रक्षा में अपना कर्तव्य निभाते हुए कृष्णमृग को अपने का दर्जा दिया है।काठियावाड़ गिर शुष्क पर्णपाती वन का मुख्य भाग अरावली पर्वतमाला में पड़ता है। यह स्थान शुष्क जलवायु का है। यह वन गुजरात में शुरू होते हुए राजस्थान और मध्य प्रदेश तक फैला हुआ है। इस जंगल के कुछ हिस्सों में सबसे उल्लेखनीय प्रजाति सागौन है। शुष्क स्थानों में टर्मिनलिया पेड़ला यानी ढोक सबसे अधिक मात्रा में पाई जाती है। काटेदार पेड़ और झाड़ियां इसके सूखे हिस्सों में प्रमुख हैं। माउंट आबू इस वन का हिस्सा है। यहां उष्णकटिबंधीय मानसून जलवायु है। मंगार बनीए- दिल्ली,हरियाणा सीमा में एक गांव है जो उत्तरी अरावली पे पड़ता है। ष्वनी यहां की भाषा में वन का नाम है।

यह एक उच्च जैव विविधता ज्ञोन माना जाता है। यहां पर 30 से अधिक देशी पेड़ और 100 पौधे पाए जाते हैं और यह 95ः ढोक के पेड़ से ढका हुआ है। इसकी विशेषता यह है कि यहां के प्रसिद्ध गुड़रिया दास बाबा मंदिर के कारण यह एक पूजनीय स्थल है जो गुज्जर समुदाय के लिए पवित्र माना जाता है। यह समुदाय इस कुंज की रक्षा करता है। मंगार बनी एक पुरातात्विक स्थल भी है। यह स्थान उत्तरी अरावली तेंदुआ वन्यजीव गलियारा का हिस्सा है। अरावली पर्वतमाला में दो वन्यजीव गलियारें हैंए जो तेंदुओं को शिकार के लिए अवकाश देते हैं और वन्यजीव के मेल जोल को बढ़ाते हैं। अतिर्रमण के कारण यहां के वन का नाश हो रहा है। ग्रेनाइट और संग्रामसर के खनन के कारण पश्चिमी अरावली में आवास का नाश हो रहा है। खनन की मात्राओं पर प्रतिबंध लगाए गए हैं और इन्फा लागू करना महत्वपूर्ण है। अरावली में पर्यावरण के नाश के कारण कई जीवों ने अपना आवास खोया है।यहां के पर्यावरण को बचाने के लिए अधिक से अधिक जागरूकता और संरक्षण के प्रचार को करना महत्वपूर्ण है। वृहत हरित दीवार या अरावली ग्रीन वॉल एक प्रास्ताविक 1400 किमी लंबी और 5 किमी चौड़ी हरित पट्टी है जो पोरबंदर से लेके पानीपत तक निर्माणित की जायेगी जिसका मकसद क्षेत्र की बिगड़ती हुई जमीन को निम्नीकरण से बचाते हुए उसके हरित आवरण को बढ़ाना है।

—यह लेखक के निजी विचार हैं।

नहाय-खाय पर लौकी-भात कयों खाया जाता? जानें व्रत की शुद्ध शुरुआत और धार्मिक महत्व

छठ पूजा भारत का एक प्रमुख पर्व है, जो मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित है। छठ पूजा चार दिनों तक चलने वाला व्रत होता है, जिसमें व्रती बिना भोजन और पानी के उपवास रखकर सूर्य देव की आराधना करते हैं। पहला दिन ‘नहाय-खाय’, दूसरा दिन ‘खरना’, तीसरा दिन ‘संध्या अर्घ्य’ और चौथा दिन ‘उषा अर्घ्य’ कहलाता है।

(दिव्यांशी भदौरिया)

छठ पूजा के ‘नहाय-खाय’ पर्व का विशेष धार्मिक महत्व है, जहाँ व्रती पवित्रता के साथ सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। इस दिन लौकी-भात का सेवन शरीर और मन को शुद्ध कर आगामी कठिन व्रत के लिए तैयार करता है, जो सूर्य देव और छठी मैया के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। यह परंपरा सुख-समृद्धि और स्वास्थ्य से जुड़ी है।

छठ पूजा भारत का एक प्रमुख पर्व है, जो मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित है। छठ पूजा चार दिनों तक चलने वाला व्रत होता है, जिसमें व्रती बिना भोजन और पानी के उपवास रखकर सूर्य देव की आराधना करते हैं। पहला दिन ‘नहाय-खाय’, दूसरा दिन ‘खरना’, तीसरा दिन ‘संध्या अर्घ्य’ और चौथा दिन ‘उषा अर्घ्य’ कहलाता है।

श्रद्धालु मर्यास्त और सूर्योदय के समय जल में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करते हैं। माना जाता है कि इस पूजा से सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और संतान की दीर्घायु की प्राप्ति होती है। इस दौरान माहलाएं पारंपरिक गीत गुनगुनाती हैं और रसोई से घी की खुशबू आने लगती है।

नहाय-खाय का महत्व: छठ पूजा का पहला दिन नहाय-खाय का होता है, जिसका विशेष धार्मिक महत्व होता है। इस दिन व्रती शुद्धता और पवित्रता का पालन करते हुए अपने घर और शरीर की पूरी तरह से सफाई करता है। व्रती गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान कर के शुद्ध होता है और इसके बाद सात्विक भोजन ग्रहण करता है, जिसे ‘नहाय-खाय’ कहा जाता है। इस दिन भोजन में बिना लहसुन-प्याज की कढ़ू, चने की दाल और चावल का प्रसाद बनाया जाता है। माना जाता है कि नहाय-खाय से शरीर और मन दोनों पवित्र होते हैं और यह व्रती को छठ व्रत के आगे के कठिन उपवासों के लिए तैयार करता है।



छठ पर्व के दौरान सात्विक भोजन क्यों बनाया जाता है?
* इस पर्व के अवसर पर ताजे और हल्के फल-सब्जियों का इस्तेमाल किया जाता है।
* लहसुन-प्याज को नहीं खाया जाता और गरम मसाले और तीखा खाने से भी परहेज किया जाता है।
* खाने के घी, हल्दी, जीरा, सेंधा नमक और हरी मिर्च से पकाया जाता है।
* पकाने और परोसने में इनकी शुद्धता और श्रद्धा का ध्यान रखा जाता है।

*यह भोजन केवल शरीर को नहीं, मन को भी पवित्र करता है।

लौकी की सब्जी बनाने के लिए सामग्री
* एक मीडियम आकार की लौकी (छिली और कटी हुई)
* एक कप चना दाल (भिगोई हुई)
* एक बड़ा चम्मच देसी घी
* आधा छोटा चम्मच जीरा
* आधा छोटा चम्मच हल्दी
* सेंधा नमक स्वादानुसार
* एक हरी मिर्च (बारीक कटी)
* चुटकी भर हींग
* थोड़ी हरी पत्थिया पत्ती (सजाने के लिए)
लौकी की सब्जी बनाने की विधि
* इसके लिए कड़ाही या प्रेशर कुकर में घी गरम करें।
* इसमें अब जीरा हींग डालें, तड़कने के बाद हरी मिर्च और हल्दी डालें।
* अब कटी लौकी और भीगी हुई चना दाल डालकर मिलाएं।
* फिर इसमें सेंधा नमक डालें और अब थोड़ा पानी डालकर पकाएं।
* इसके बाद कुकर में चार से पांच सीटी या ढक्कन लगाकर धीमी आंच पर पकाएं, जब तक दाल और लौकी नरम न हो जाएं।
* आखिरी में हरा धनिया डालकर गरम-गरम भात के साथ सर्व करें।



संक्षिप्त समाचार

नगर विधायक अमर अग्रवाल द्वारा 1 करोड़ रुपये की राशि से विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों की स्वीकृति

बिलासपुर। शहर के सर्वांगीण विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार को ध्यान में रखते हुए पूर्व मंत्री एवं नगर विधायक अमर अग्रवाल ने वार्ड क्रमांक 16, 19, 21, 27, 32, 36, 37, 39, 44, 60 एवं 63 में विभिन्न निर्माण एवं उन्नयन कार्यों के लिए कुल 1 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। इस राशि से जनसुविधा से जुड़े कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर नगर विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड का समग्र विकास हमारा लक्ष्य है। विकास कार्य केवल निर्माण नहीं, बल्कि यह जनता के जीवन में सुविधा और संतोष लाने का माध्यम है। प्रत्येक क्षेत्र में नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर योजनाएँ तैयार की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि नगर के सभी वार्डों में आवश्यकतानुसार विकास कार्यों की निरंतर समीक्षा की जा रही है और भविष्य में भी जनसुविधाओं के विस्तार के लिए प्रयास जारी रहेंगे। अमर अग्रवाल ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, पार्षदों और नागरिकों से अपील की कि वे विकास कार्यों की निगरानी में सक्रिय सहयोग दें, ताकि कार्य गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध रूप से पूर्ण हो सकें।

शक के चलते पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। जिले के कोटा थाना क्षेत्र के ग्राम शिवतराई में घरेलू विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। चरित्र को लेकर संदेह के चलते पति ने पत्नी पर टंगिया से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना 25 अक्टूबर की सुबह की है। प्रार्थी रामवरण पोतें ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी नांदबाई मरावी का उसके पति राजेश कुमार मरावी (40 वर्ष) के साथ चरित्र शंका को लेकर झगड़ा हो रहा था। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने टंगिया और चाकू से पत्नी पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल नांदबाई को तुरंत रायपुर के डीकेएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। कोटा पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए आरोपी राजेश कुमार मरावी, पिता चैतराम मरावी को गिरफ्तार कर लिया और न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में दुख और आक्रोश का माहौल है।

एसईसीएल गेवरा परियोजना में बड़ा हादसा: ट्रेन से टकराने पर लोडर ऑपरेटर की दर्दनाक मौत, जांच के आदेश

कोरबा। जिले की एसईसीएल गेवरा परियोजना में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रेलवे साइडिंग क्षेत्र में कार्यरत निजी कंपनी एमथ्रएस एसीबी का एक लोडर ऑपरेटर मालगाड़ी में कोयला लोड कर रहा था। इसी दौरान अचानक ट्रेन के मूवमेंट में आने से लोडर ट्रेन से टकरा गया, जिससे ऑपरेटर की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 9 बजे हुआ जब कोयला भरने का कार्य जारी था। बताया जा रहा है कि लोडर ऑपरेटर वाहन को पीछे करते समय अनजाने में रेलवे ट्रैक के बहुत करीब पहुंच गया, तभी अचानक ट्रेन चल पड़ी और लोडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि लोडर का आगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक अंदर ही फंस गया। सूचना मिलते ही गेवरा प्रबंधन, सुरक्षा दल और पुलिस मौके पर पहुंचे। ऑपरेटर को निकालने के प्रयास किए गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद क्षेत्र में अफ़ा-तफ़्फ़ी मच गई। सहकर्मियों ने सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगाते हुए रेल साइडिंग क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाने और स्पष्ट संकेत व्यवस्था की मांग की है। वहीं प्रबंधन ने हादसे की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं और सुरक्षा मानकों की समीक्षा करने की बात कही है।

कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सुरक्षाकर्मियों की दबंगई, मरीज के परिजनों से की मारपीट, शिकायत दर्ज

कोरबा। जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सुरक्षाकर्मियों द्वारा मरीज के परिजनों से मारपीट का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात गाड़ों ने एक मरीज की पत्नी के साथ बदसलूकी की और बीच-बचाव करने आए मरीज को भी घायल कर दिया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफ़ा-तफ़्फ़ी मच गई। जानकारी के अनुसार, 55 वर्षीय कालीचरण बंजारे और उनकी बेटी पिछले कुछ दिनों से बीमार हैं और अस्पताल के पुरुष एवं महिला वार्डों में अलग-अलग भर्ती हैं।

सूरजपुर जिले में संपन्न हुई सरगुजा संभाग की एपीसी समीक्षा बैठक

खरीफवर्ष 2025 के प्रगति की समीक्षा तथा रबी वर्ष 2025-26 कार्यक्रम निर्धारण पर हुई वृहद चर्चा.....

सूरजपुर संवाददाता/ कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत सभाकक्ष में खरीफ वर्ष 2025 के प्रगति की समीक्षा तथा रबी वर्ष 2025-26 कार्यक्रम निर्धारण हेतु सरगुजा संभाग की समीक्षा बैठक रखी गई थी। एपीसी बैठक में प्रदेश की कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा आगामी फसल सीजन की तैयारी के लिए विस्तृत चर्चा की गई। कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार ने संभाग से उपस्थित समस्त जिले के कलेक्टर को शासन की मंशा से अवगत कराते हुए उन पर खरा उतरने के लिये आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक अमला योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतु योजनाओं के अद्यतन स्थिति की रेगुलर मॉनीटरिंग करे और भौतिक

निरीक्षण करें। उपस्थित समस्त जिला पंचायत सीईओ कलेक्टर के मार्गदर्शन में कैलेण्डर आधारित कार्ययोजना बनाकर उसका उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने किसानों को धान के अतिरिक्त दलहन तिलहन व अन्य फसलों के लिए प्रोत्साहित करने व शासन की सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध उपलब्ध कराये जाने की बात कही। उन्होंने एग्रीस्ट्रेक पोर्टल अंतर्गत पंजीयन की कार्ययोजना की प्रगति पर विशेष फोकस करने की बात कही, उन्होंने स्पष्ट किया कि शीघ्र पंजीयन गैप को नगण्य करने की दिशा में सभी कार्य करें। इसके साथ ही बैठक में सरगुजा संभाग के केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की वित्तीय प्रगति, मिट्टी परीक्षण, बीजों के वास्तविक मांग, रबी फसल हेतु ज्यादा से ज्यादा कृषक बंधुओं



को प्रेरित करें व केसीसी लोन सुनिश्चित करें, राष्ट्रीय स्तर पर फसलों की उपज बढ़ाने की दिशा में कार्य करने हेतु दिशा निर्देश दिये गये। बैठक में सर्वप्रथम जिला कलेक्टरों द्वारा खरीफ2025 की प्रगति एवं योजनाओं के क्रियान्वयन पर एजेंडा-वार प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसके पश्चात विभागाध्यक्षों ने विभागवार प्रगति

प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। एपीसी बैठक में खरीफ2025 में धान के रकबे में कमी एवं फसल विविधीकरण, रबी 2024-25 की तुलना में क्षेत्राच्छादन में वृद्धि तथा रबी / ग्रीष्म (जायद) अल्पकालीन फसल ऋा वितरण में वृद्धि की रणनीति, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत

अपात्र एफभारए एवं पीवीटीजी कृषक तथा अन्य संदिग्ध प्रकरण का समय सीमा में सत्यापन तथा समय सीमा में एग्रीस्ट्रेक अंतर्गत पंजीयन की कार्ययोजना, रबी 2026-27 की संभावित बीज मांग के दृष्टिगत रबी 2025-26 में फसलवार बीज उत्पादन कार्यक्रम की कार्ययोजना, ऑयल पॉम के क्षेत्र विस्तार की कार्ययोजना, केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के अंतर्गत सामान्य बीज वितरण एवं प्रदर्शन में प्रयुक्त होने वाले बीजों की फसलवार, योजनावार दर तथा इनके वितरण में 'साथी पोर्टल'' के अनुप्रयोग इत्यादि महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में खरीफ 2025 के अंतर्गत मुख्य रूप से धान के रकबे में कमी, फसल विविधीकरण, तथा दलहन-तिलहन फसलों के क्षेत्र विस्तार की समीक्षा की गई।

एनटीपीसी सीपत में शपथ ग्रहण के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

■ एनटीपीसी सीपत में शपथ ग्रहण के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ



बिलासपुर- एनटीपीसी सीपत में 27 अक्टूबर 2025 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ शपथ ग्रहण समारोह के साथ किया गया। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख विजय कृष्ण पाण्डेय तथा महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) सुरोजीत सिन्हा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा एवं ईमानदारी की शपथ दिलाई। उल्लेखनीय है कि 27 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2025 तक सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी थीम पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित सभी महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भ्रष्टाचार के उन्मूलन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों पर आधारित कार्यसंस्कृति को सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

सप्ताह के दौरान सतर्कता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें कर्मचारियों के परिवार की महिलाओं के लिए निबंध प्रतियोगिता, कर्मचारियों के लिए किक्ज प्रतियोगिता, नुक्रड़ नाटक, भाषण प्रतियोगिता तथा बच्चों में सतर्कता एवं ईमानदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से बाल भारती स्कूल के विद्यार्थियों के लिए वाल पेंटिंग एवं पोस्टर मेकिंग जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। एनटीपीसी सीपत में यह सतर्कता जागरूकता सप्ताह सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं जनहित के मूल्यों को सशक्त करने की दिशा में एक सामूहिक प्रयास के रूप में मनाया जा रहा है।

खैरागढ़ पुलिस ने 50 करोड़ की ऑनलाइन ठगी का पर्दाफाश किया गया

खैरागढ़। इस्ट्रामगढ़ पर साड़ी बेचने के नाम पर हुई मामूली ठगी की शिकायत ने छत्तीसगढ़ पुलिस को 50 करोड़ रुपये के साइबर फ्रैंड के बड़े गिरोह तक पहुंचा दिया। खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय की छात्रा वसुधा सिन्हा ने ऑनलाइन साड़ी खरीदते समय 64 हजार रुपये की ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। शुरुआत में यह साधारण ऑनलाइन फ्रैंड का मामला लग रहा था, लेकिन खैरागढ़ साइबर सेल की गहन जांच ने पूरे प्रदेश को चौंका दिया। जांच में पता चला कि यह ठगी मुंबई के डोम्बिवली और कल्याण क्षेत्र में सक्रिय एक संगठित साइबर गैंग द्वारा की जा रही थी। ये आरोपी इंस्टाग्राम पर फर्नी साड़ी सेलिंग पेज बनाकर लोगों से ठगी करते थे और 100 बुक नाम के ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग ऐप के जरिए अवैध धन का लेन-देन भी करते थे। पुलिस को आरोपियों के खातों और मोबाइल नंबरों की जांच में 100 से अधिक फर्नी सिम कार्ड और बैंक खातों का नेटवर्क मिला, जिससे करीब 50 करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ था। गिरोह को पकड़ने के लिए खैरागढ़ पुलिस की टीम ने सात दिनों तक मुंबई में गुप्त रूप से काम किया। खुद को हिलोवरी ब्रॉय बताकर रेकी करने के बाद, पुलिस ने डोम्बिवली के दो फ्लैटों पर एक साथ छापा मारकर आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में गौतम पंजाबी, पवन सुरूसे, विनायक मोरे, अमित मोरे, रामचंद्र चौके, अमोल दिवनाने, अधिषेक डंबडे और मनोज मुखिया शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से 5 लैपटॉप, 14 मोबाइल फोन, 51 बैंक पासबुक, 51 एटीएम कार्ड, 15 चेकबुक और 25 सिम कार्ड बरामद किए।

■ सड़क सुधार सहित निर्माण कार्यों में तेजी लाएं

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज साप्ताहिक टीएल बैठक में राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने सड़क मरम्मत सहित तमाम निर्माण कार्यों में अब तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए। आपने कहा कि बरसात संपन्न होने के बाद निर्माण कार्यों के लिए अनुकूल माहौल है। लिहाजा कार्य-योजना के अनुरूप युद्धगति से समय-सीमा में काम पूर्ण कर लोगों को सुविधा प्रदान की जाये। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार सहित जिला स्तरीय सभी विभागीय अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने टीएल बैठक में की योजनाओं की समीक्षा

■ सड़क सुधार सहित निर्माण कार्यों में तेजी लाएं



कलेक्टर ने बैठक में धान खरीदी की तैयारी की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि खरीदी कार्य से जुड़े हर काम में पारदर्शिता और ईमानदारी दिखनी चाहिए। प्रत्येक स्तर पर निगरानी के लिए टीम गठित किए गए हैं। प्रतिदिन मौके पर खरीदे गए धान का भौतिक सत्यापन किया जायेगा। उन्होंने खरीदी केन्द्र की तैयारी के लिए निर्धारित चेकलिस्ट के अनुरूप तैयारी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। श्री अग्रवाल ने शिक्षा की गुणवत्ता पर जोर दिया।

नियुक्त किए गये नोडल अधिकारियों को सोंपे गये स्कूलों का दौरा करने के निर्देश दिए। कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान देने की अपेक्षा की। उन्होंने शिक्षकों की कम संख्या वाले स्कूलों में प्राथमिकता के साथ स्मार्ट टीव्ही भेजने को कहा है। इविद्या एण्प की जानकारी देकर इसका बच्चों और उनके अभिभावकों के बीच प्रचार-प्रसार के लिए भी कहा है। बैठक में पीएम सूर्यधर बिजली योजना की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि योजना का लाभ

उठाने के लिए साढ़े 3 हजार से ज्यादा लोगों ने आवेदन किए हैं। इनमें से साढ़े 7 सौ लोगों के निवास पर प्लाण्ट स्थापित कर लिया गए हैं। योजना का लाभ उन्हें मिलने लगा है। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत फ़ैत हो चुके किसानों के बदले उनके वारिसांनों का नाम दर्ज कर इनका लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने सांसद खेल महोत्सव की तैयारी की भी जानकारी ली। इसके अंतर्गत 11 एवं 12 नवम्बर को बिलासपुर में जिला स्तरीय प्रतियोगिता होगी। इसके पहले ब्लॉक एवं ग्राम स्तरीय आयोजन संपन्न कराने के निर्देश दिए। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के भौतिक सत्यापन में हो रहे विवाद पर नाराजगी जाहिर की और इसे एक सप्ताह में पूर्ण कर रिपोर्ट देने को कहा है।

बिलासपुर में धर्मांतरण का मामला,6 गिरफ्तार

बिलासपुर। जिले के मस्तूरी थाना क्षेत्र के हिर्री गांव में धर्मांतरण के मामले ने एक बार फिर विवाद को हवा दे दी है। गांव के एक खाली मकान में सोमवार को प्रार्थना सभा के नाम पर बैठक रखी गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए थे। हिंदू संगठनों का आरोप है कि इस सभा के दौरान लोगों को बहला-पुसलाकर धर्म बदलने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। सूचना मिलते ही मस्तूरी पुलिस मौके पर पहुंची और मौके से पति-पत्नी समेत छह लोगों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गोरेलाल टंडन और उनकी पत्नी सदरोहा टंडन सहित अन्य चार लोगों के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, हिर्री गांव के इस सूने

मकान में करीब 70 लोग एकत्र हुए थे। बताया जा रहा है कि यहां आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को कहानियां सुनाकर और प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रभावित किया जा रहा था। इसी दौरान हिंदू संगठन के कार्यकर्ता पहुंचे और पुलिस को इसकी सूचना दी। घटना से संबंधित एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पुलिस के पहुंचने पर बड़ी संख्या में लोग घर से बाहर निकलते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पिछलाहल जांच जारी है और पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस मामले में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।



पांडे के ग्रामीणों ने सरपंच द्वारा सार्वजनिक निस्तारी के लिए उपयोग में आने वाले जुनी तालाब में सरपंच द्वारा बिना मुनादी के बड़ी संख्या में मछली बीज डालने और

हजारों मछलियों के मरने से तालाब के जल प्रदूषित होने की शिकायत की है, ग्रामीणों ने शिकायत में लिखा कि पास ही प्राथमिक स्कूल है जहां के बच्चों के लिए ये

तालाब खतरा बन चुका है ग्रामीणों ने लापरवाह सरपंच के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की, कलेक्टर ने त्वरित रूप से प्रकरण को सीईओ तखतपुर को आवश्यक कार्यवाही के लिए भेजा। मुख कैंसर से पीड़ित ग्राम परसदा निवासी ग्रामीण ने आयुष्मान कार्ड से इलाज की मांग की ,जिसे सीएमएचओ को आवश्यक कार्यवाही के लिए भेजा गया। ग्राम पंचायत परसदा, विकासखंड बिल्हा के ग्रामीणों ने गांव में जल संकट और गिरते भू जल स्तर की समस्या के निराकरण की मांग करते हुए गांव में रबी फसल लगाने पर रोक की मांग की प्रकरण को कलेक्टर ने सीईओ जिला पंचायत को सीपा। जनदर्शन में अवैध कब्जे और एग्रीस्ट्रैक पोर्टल में नाम दर्ज नहीं होने की शिकायतें व भूमि सीमांकन का कार्य पटवारी और राजस्व निरीक्षक द्वारा न किए जाने की शिकायत लेकर किसान पहुंचा। कलेक्टर ने प्रकरण संबंधित अधिकारियों को उचित निराकरण के लिए भेजा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नाम आने के बावजूद राशि प्राप्त नहीं होने की शिकायत लेकर ग्राम सोनबांधा का ग्रामीण पहुंचा, कलेक्टर ने सीईओ जनपद तखतपुर को आवेदन आवश्यक कार्यवाही के लिए भेजा।



गोपनीय स्वरूप है भगवती छिन्नमस्ता का

ऐसा विधान है कि आधी रात अर्थात् चतुर्थ संध्याकाल में छिन्नमस्ता की उपासना से साधक को सरस्वती सिद्ध हो जाती हैं। शत्रु विजय, समूह स्तम्भन, राज्य प्राप्ति और दुर्लभ मोक्ष प्राप्ति के लिए छिन्नमस्ता की उपासना अमोघ है। छिन्नमस्ता का आध्यात्मिक स्वरूप अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

प्रतीक ये देवी वसुधैवकुटुम्बकम् पीठ पर खड़ी हैं। दिशाएं ही इनके वस्त्र हैं। इनकी नाभि में योगिनक है। कृष्ण तथा और रक्त (राज) गुणों की देवियां इनकी सहचरियां हैं। ये अपना शीश कर कटकर भी जीवित हैं। यह अपने आप में पूर्ण अन्तर्मुखी साधना का संकेत हैं। विद्वानों ने इस कथा में सिद्धि की चरम सीमा निदेश माना है। योगशास्त्र में तीन ग्रन्थियां बतायी गयी हैं, जिनके भेदन के बाद योगी को पूर्ण सिद्धि प्राप्त होती है। इन्हें ब्रह्मसूत्र, विष्णुसूत्र तथा रुद्रसूत्र कहा गया है। मूलाधार में ब्रह्मसूत्र, मणिपूर में विष्णुसूत्र तथा अनालाकार में रुद्रसूत्र का स्थान है। इन ग्रंथियों के भेदन से ही अद्वैतानन्द की प्राप्ति होती है। योगियों का ऐसा अनुभव है कि मणिपूर चक्र के नीचे की नाड़ियों में ही काम और रति का मूल है, उसी पर छिन्ना महाशक्ति आरुढ़ है। इसका ऊर्ध्व प्रवाह होने पर रुद्रसूत्रिका का भेदन होता है। छिन्नमस्ता का वज्र वैरोचना नाम शाक्तों, बौद्ध तथा जैनो में समान रूप से प्रचलित है। देवी की दोनों सहचरियां रजोगुण तथा तमोगुण की प्रतीक हैं। कर्मल विश्वरूपक की और कामरति शिवानन्द की स्थूलवृत्ति हैं। बृहदारण्यक की अधश्चर विद्या, शाक्तों की हयग्रीव विद्या तथा गान्पत्यों के छिन्नीशीर्ष गणपति का रहस्य भी छिन्नमस्ता से ही संबंधित है। हिरण्यकशिपु, वैरोचन आदि छिन्नमस्ता के ही उपसक्त थे। इसीलिये इन्हें वज्र वैरोचना कहा गया है। वैरोचन अग्नि को कहते हैं। अग्नि के स्थान मणिपूर में छिन्नमस्ता का ध्यान किया जाता है और वज्रानाडी में इनका प्रवाह होने से इन्हें वज्र वैरोचना कहाते हैं। श्रीभैरवतन्त्र में कहा गया है कि इनकी आराधना से साधक जीवभाव से मुक्त होकर शिवभाव को प्राप्त कर लेता है।



भगवती छिन्नमस्ता का स्वरूप अत्यंत ही गोपनीय है। इसे कोई अधिकारी साधक ही जान सकता है। महाविद्याओं में इनका तीसरा स्थान है। इनके प्रादुर्भाव की कथा इस प्रकार है— एक बार भगवती भवानी अपनी सहचरी जया और विजया के साथ धामा-मन्दाकिनी में स्नान करने के लिए गयीं। स्नान के बाद बुद्धिमानों से पीड़ित होकर वे कृष्णार्णव की हो गयीं। उस समय उनकी सहचरियों ने भी उनसे कुछ भोजन करने के लिए मांगा। देवी ने

प्रसन्न होने लगीं और तीसरी धारा को देवी स्वयं पान करने लगीं। तभी से देवी छिन्नमस्ता के नाम से प्रसिद्ध हुई।
ऐसा विधान है कि आधी रात अर्थात् चतुर्थ संध्यकाल में छिन्नमस्ता की उपासना से साधक को सरस्वती सिद्ध हो जाती है। शत्रु विजय, समूह स्तम्भन, राज्य प्राप्त और दुर्लभ मोक्ष प्राप्ति के लिए छिन्नमस्ता की उपासना अमोघ है। छिन्नमस्ता का आध्यात्मिक स्वरूप अत्यन्त महत्वपूर्ण है। छिन्न यज्ञशीर्ष की

सोमवार को ही

शिव का वार क्यों कहा जाता है

पराणशिरोमणि शिवमहापराण के अनुसार- आरोग्यसंपद चैव व्याधीनांशांतिरेव च । पष्टिरायस्तथाभोगोमतेर्हानिर्यथाक्रमम् ॥

अर्थात् स्वास्थ्य, संपत्ति, रोग-नाश, पुष्टि, आयु, भोग तथा मृत्यु की हानि के लिए संविचार से लेकर शनिवार तक भगवान शंकर की आराधना करनी चाहिए। सभी दिनों में शिव फलपत्र लेनी। पुराणों के अनुसार सोम का अर्थ चंद्रमा होता है और चंद्रमा भगवान शंकर के शीश पर मुकुटमाला होकर अत्यन्त सुशोभित होता है। भगवान शंकर ने जैसे कुटिल, करकोटि, कामी, क्रीं पण्डित, क्षीण चंद्रमा को उसके अपराधी होते हुए भी क्षमा कर अपने शीश पर स्थान दिया वैसे ही भगवान हमें भी सिर पर नहीं तो चरणों में जगह अवश्य दें। यह याद दिलाने के लिए सोमवार को ही लोग ने का शिव वार बना दिया और सोम का अर्थ सोम्य होता है। भगवान शंकर अत्यन्त शांत समीपस्थित देवता हैं। इस सोम्य भाव को देखकर ही भक्तों ने इन्हें सोमवार का देवता मान लिया। सहजता और सरलता के कारण ही इन्हें भोलेनाथ कहा जाता है। सोम का अर्थ चंद्रमा भी होता है और चंद्रमा मन का प्रतीक है। जड़ मन को चेतनता से प्रकाशित करने के लिए सोमवार पर चेतना को पकड़कर हम परमात्मा तक पहुँच सकते हैं इसीलए देवाधिदेव भूतभावन प्रतापवान परमेश्वर की आपसना सोमवार को की जाती है।



जप में माला का प्रयोग क्यों होता है

आपने देखा होगा कि बहुत से लोग ध्यान करने के लिए और भगवान का नाम जपने के लिए माला का प्रयोग करते हैं। कुछ लोग उंगलियों पर गिन कर भी ध्यान जप करते हैं। लेकिन शास्त्रों में माला पर जप करना अधिक शुद्ध और पुण्यदायी कहा गया है। इसके पीछे धार्मिक मान्यताओं के अलावा वैज्ञानिक कारण भी है। धार्मिक दृष्टि से देखें तो अंगिरा ऋषि के कथन पर ध्यान देना होगा। अंगिरा ऋषि के अनुसार असंख्या तु यजन्, तत्सर्वं निष्फल भवेत्। यानी बिना माला के संख्याहीन जप का कोई फल नहीं मिलता है। इसका कारण यह है कि, जप से पहले जप की संख्या का संकल्प लेना आवश्यक होता है। संकल्प संख्या में कम ज्यादा होने पर जप निष्फल माना जाता है। इसलिए त्रुटि रहित जप के लिए माला का प्रयोग उत्तम माना गया है। जबकि वैज्ञानिक दृष्टि से यह माना जाता है कि अंगुठी और उंगली पर माला का दबाव पड़ने से एक विद्युत तरंग उत्पन्न होती है। यह धमनी के रास्ते हृदय चक्र को प्रभावित करता है जिससे मन एकाग्र और शुद्ध होता है। तनाव और चिंता से मुक्ति मिलती है। माना जाता है कि मध्यमा उंगली का हृदय से सीधा संबंध होता है। हृदय में आत्मा का वास है इसलिए मध्यमा उंगली और उंगूठे से जप किया जाता है।



धरती पर ब्रह्माजी का निवास पुष्कर तीर्थ

जयपुर के दक्षिण पश्चिम में स्थित अजमेर हिन्दू-मुस्लिम धर्म का अलग स्थल रहा है। अजमेर हिन्दू तीर्थ यात्रियों में उज्जना ही लोकप्रिय है जितना कि मुसलमानों में। अजमेर से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पुष्कर मण्डियों और झीलों के लिए प्रसिद्ध है। अरावली पर्वत श्रृंखला का नाग पर्वत अजमेर और पुष्कर को अलग करता है। यह भगवान ब्रह्मा के एकमात्र मन्दिर के लिए पूरे विश्व में जाता है। मन्दिर के बगल में ही एक पुष्कर झील हिन्दुओं एक परमात्मन श्रद्धालु बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर



धार्मिक मान्यता

हिन्दू श्रद्धालुओं के लिए पुष्कर बहुत महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। ऐसा माना जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में एक बार पुष्कर की यात्रा अवश्य करनी चाहिए। पुष्कर हिन्दू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थों में से एक है। इसका बनारस या प्रयाग की तरह ही महत्व है। बर्द्वानरायण, जगन्नाथ, रामेश्वर, द्वारका इन चार धामों की यात्रा करने वाले किसी तीर्थयात्री की यात्रा तब तक पूर्ण नहीं होती जब तक वह पुष्कर के पवित्र जल में स्नान नहीं कर लेता।

पौराणिक कथा

हिन्दू धर्म ग्रंथों के अनुसार भगवान् ब्रह्मा त्रिवेदीयों में से एक देव हैं। तीनों देवों का कार्य, जीवन चक्र (जन्म, पालन, विनाश) के आधार पर विभाजित है। ब्रह्मा जी का कार्य जन्म देना है। ब्रह्मा जी को द्वादीत्य चारों सिरों वाला, जिसके चार हाथ हैं, के रूप में चित्रित किया गया है। ब्रह्मा जी के चारों हाथ में वेद (ज्ञान) हैं। ब्रह्मा जी का वाहन हंस है। एक बार भगवान् ब्रह्मा पवित्र उद्देश्य के लिए यज्ञ करने का निश्चय किया। यह यज्ञ करने के लिए सभ्यता के लोगों को बुलाया। वह उन्हें श्रम सभ्यता पर करना चाहते थे। किन्तु उनकी पत्नी सरस्वती, जिनका यज्ञ के समय रहना अत्यावश्यक था, ने उन्हें रुकना करने को कहा। इससे झुंझलाकर ब्रह्मा जी ने गायत्री की एक सभ्यता के एक वलित्ति नहीं, से विवाह कर उन्हें यज्ञ में बैठा दिया। सरस्वती जी ने जब अपने स्थान पर दूसरे को देखा तो वे क्रोध से भर गयीं। उन्होंने ब्रह्मा जी को श्राप दे दिया कि पृथ्वी के लोग उन्हें भुला देंगे और कभी पूजा नहीं होगी। किन्तु अन्य देवताओं की प्रार्थना पर वो पिछल गयी और कहा कि ब्रह्मा जी केवल पुष्कर में पूजे जाएंगे। इसी कारण यहीं के अलावा और कहीं भी ब्रह्माजी का मंदिर नहीं है।

पुष्कर का अर्थ

विद्वानों के अनुसार पुष्कर का अर्थ है ऐसा तालाब जिसका निर्माण फूल से हुआ। पद्म पुराण के अनुसार पुष्कर झील का निर्माण उस समय हुआ जब यज्ञ के स्थान को सुनिश्चित करते समय ब्रह्मा जी के हाथ से कमल का फूल पृथ्वी पर गिर पड़ा। जिससे पानी की तीन बूंदें पृथ्वी पर गिर गयीं, जिसमें एक बूंद पुष्कर में गिर गयी। इसी बूंद से पुष्कर झील का निर्माण हुआ।

ब्रह्मा मंदिर

यमक मंदिर से युक्त पुष्कर संसारा धार्मिक मिथों और विश्वासों से भरा है। यहाँ का सबसे बड़ा आकर्षण ब्रह्माजी का मंदिर है। मंदिर को निर्माण संगमरमर पत्थर से हुआ है तथा इस चोँची के सिद्धों से सजाया गया है। इन चोँची के सिद्धों पर दानवता के नाम भी खुदे हुए हैं। इसके अलावा मंदिर के दीवारों पर भी दानवताओं के नाम लिखे हैं। यहाँ मंदिर के फर्श पर एक रजत कछुआ है। जाना की देवी सरस्वती के वाहन मूक के चित्र भी मंदिर की शोभा बढ़ाते हैं। यहां गायत्री देवी की एक छोटी प्रतिमा और किनारे ब्रह्माजी की चार मुखों वाली मूर्ति को चोमूँत किया जाता है। इस पवित्र मंदिर का प्रवेश द्वार संगमरमर का और दरवाजा चांदी के बने है। यहां भगवान शिव को समर्पित एक छोटी गुफा भी बनी है।

पुष्कर झील

पुष्कर झील अपनी पवित्रता और सुंदरता के लिए पूरे विश्व में जानी जाती है। ऐसा मान्यता है कि पुष्कर झील उटना ही पुराना है जितना कि सृष्टि और तीर्थयात्रा के रूप में यह अत्यंत प्राचीन काल से ही जाना जाता है। इस झील में नहाने के लिए 52 घाट बने हुए हैं जहां दिल में गहरी धार्मिक आस्था लिए श्रद्धालु डुबकी लगाते हैं। पुष्कर झील के झंझावातों में सदैव खड़ा रहा है। यह भवान राम के समय से लेकर अब तक बदलते इतिहास का शांत गवाह है। इसका उल्लेख चौथी शताब्दी में आये चीनी यात्री फाह्यान ने भी किया है।

पुष्कर मेला

पूजक मेला, ऊठ मेला के लिए जाना जाता है। यह भारत के सबसे बड़े मेलों में से एक है और अपनी तरह का विश्व में एक ही है। मेले के दौरान भारत के ग्रामीण क्षेत्रों से लाखों लोग अपन अपन पशुओं के साथ यहाँ कई दिनों तक रहकर तीर्थयात्राओं और धार्मिक उत्सवों में अपना व्यापार करते हैं। मेले के दौरान यह छठ कम्बा अद्भुत सांस्कृतिक छटा बिखेरने लगता है। इस समय रंग-बिरंगे कपड़े पहने श्रद्धालु, जादूगर, कलाबाज, लोक नर्तक, व्यापारी, भाइ, साथी, पटवई यहाँ पहुँचते हैं। हिन्दू मान्यता के अनुसार कार्तिक महान के अष्टमी के दिन मेला शुरू होता है। कार्तिक के दिन कहलाता है। मेले के पहले भाग में पशुओं के व्यापार पर जोर रहता है। तो दूसरे भाग में धार्मिक गतिविधियों पर जोर रहता है। इस समय श्रद्धालु पवित्र झील के जल में डूबकी लगाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस जल में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस मेले में ऊठ, पशुओं, महिलाओं के श्रृंगार के सभी सामान एक ही जगह पर बिकते हैं। हाथों से बने छोटे सामान यदगार के लिए खरीदना सबसे अच्छा होता है। ऊठों और घोड़ों की दौड़ को जनता खूब प्रोत्साहित करती है। ऊठों की दौड़ पशु प्रेमियों में खूब लोकप्रिय है। प्रत्येक शाम को यहाँ अलग-अलग राजस्थानी लोक नृत्य और संगीत का आयोजन किया जाता है। जिसमें खूबी उमड़ती है। इस मेले का अपना जादू है जो यात्रियों के जीवन भर अनुभव बन जाता है। मेले के दौरान शिल्पग्राम द्वारा कार और शिल्प की परदर्शनी लगायी जाती है।





भिलाई। कार्तिक शुक्ल षष्ठी में छठ महापर्व मनाया गया व्रती महिलाओं ने मंगलवार की सुबह सूर्य देव को अर्घ्य देने घाट पर पहुंची।

अब कोई नहीं रहेगा भूखा : सीता रसोई बना मानवीय सेवा का मॉडल



पंडरिया। भूख के खिलाफ मानवीय जंग छेड़ने वाली पहल सीता रसोई पंडरिया में समाजसेवा का प्रेरक उदाहरण बन चुकी है। अब कोई नहीं रहेगा भूखा इस संकल्प के साथ शुरू हुई यह मुहिम मात्र 30 में भरपेट भोजन उपलब्ध करा रही है। पंडरिया में मानव सेवा समिति द्वारा संचालित सीता रसोई का उद्देश्य है- गरीब, मजदूर, असहाय और जरूरतमंद लोगों को ससम्मान भोजन उपलब्ध कराना, ताकि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। बिटिया चारु शर्मा

के जन्मदिन पर उनके माता-पिता योगेश शर्मा और अंजु शर्मा ने सीता रसोई में 3100/- का सहयोग प्रदान कर इस अभियान को और मजबूती दी। समिति ने इस मानवीय योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया और बिटिया के उवल भविष्य व उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। सीता रसोई का यह प्रयास न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक उत्तरदायित्व और जनसहयोग से भूखमुक्त भारत की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो रहा है।

राजकीय वृक्ष सराई पर जंगलराज : होटल-ढाबों में अवैध जलावन, अधिकारी देखते रहे तमाशा



कवर्धा/बोड़ला। छत्तीसगढ़ का राजकीय वृक्ष सराई (साल), जिसे राज्य की हरियाली और वनवासी आजीविका का प्रतीक माना जाता है, आज सरकारी संरक्षण की नीतियों के बावजूद चूल्हों में राख बन रहा है। भोरमदेव अभ्यारण क्षेत्र के दोनों परिक्षेत्रों सहित रेंगखर, खारा, बोड़ला से लेकर धवाई पानी तक नेशनल हाईवे किनारे संचालित होटल और ढाबों में खुलेआम इस कीमती लकड़ी को जलाया जा रहा है। यह वही वृक्ष है जिसके पत्तों से बनते हैं दोना-पत्तल, जिसके फलों से निकलती है चिरौजी, और जिसकी लकड़ी सदियों तक टिकाऊ मानी जाती है। सरकार स्वयं सराई के फल और चिरौजी को समर्थन



वन विभाग की चुप्पी सबसे बड़ा सवाल
स्थानीय लोग बताते हैं कि वन अफसर और कर्मचारी इन्हीं होटल-ढाबों में भोजन और चाय-नाश्ता करने पहुंचते हैं, लेकिन चूल्हों में जलती सराई की लकड़ी देखकर भी अनजान बन जाते हैं। जिनके कंधों पर संरक्षण की जिम्मेदारी है, वही मूक दर्शक बने हुए हैं। वनवासी जिस वृक्ष को अपनी संस्कृति और आजीविका का आधार मानते हैं, वही वृक्ष अब सरकारी लापरवाही का शिकार है। अगर यही हाल रहा तो राजकीय वृक्ष सराई, जो छत्तीसगढ़ की पहचान है, आने वाली पीढ़ियों के लिए सिर्फ किताबों में दर्ज एक नाम बनकर रह जाएगा।

मूल्य पर खरीदती है, ताकि वनवासी समाज को वैध आय मिल सके। लेकिन अब वही वृक्ष अवैध कटाई और उपयोग की चपेट में है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे क्षेत्र में एक भी निस्तर डिपो नहीं है,

फिर भी होटल-ढाबों में सराई की लकड़ी धड़ल्ले से जल रही है। स्थानीय सूत्र बताते हैं कि संरक्षित जंगलों से लकड़ी कौड़ी के भाव में पहुंचाई जाती है, और इसे खुलेआम जलाया जा रहा है।

गौवंशी की मौत की खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन पहुंचे मानव निर्मित वन

बेमेतरा। गौवंशी की मौत होने के बाद प्रशासन जागा और मानव निर्मित वन पहुंचे बता दें कि जिले के एक मात्र ग्राम उसलापुर, बिरमपुर, झिरिया में मानव निर्मित 150 एकड़ के जंगल में रविवार को विभिन्न विभागों के अधिकारी पहुंची और टीम ने केवल 265 मवेशियों की मौत होने की पुष्टि की है। राजस्व, पशु चिकित्सा विभाग, वन एवं पंचायत विभाग के कर्मचारियों की उपस्थिति में बीते दो दिन के दौरान मरने वाले 65 गौवंशों के शव और पूर्व में मृत 200 गायों की गणना की गई। आसपास के 12 गांवों के एक हजार से अधिक ग्रामीण व जनप्रतिनिधि मौके पर मौजूद रहे। घेराबंदी के अंदर बची गायों को 15 दिन के भीतर शिफ्ट करने व चारा पानी की व्यवस्था करने का आश्वासन देने के बाद अंत में मृत गायों का अंतिम संस्कार किया गया। पूरे घटनाक्रम में गायों की



मरने की वजह जानने के लिए पीएम करने पहुंची पशु चिकित्सा सेवा विभाग के 3 डॉक्टर अपनी जिम्मेदारी पूरी किए बगैर वापस लौट गए। जानकारी हो कि ग्राम

झिरिया, बिरमपुर, उसलापुर की सरहद पर बने 150 एकड़ के मानव निर्मित जंगल में बीते 15 दिनों के दौरान घेराबंदी के अंदर रह रहे मवेशियों की मौत होने के बाद जिम्मेदार विभागों की अलग-अलग चार टीम मौके पर

भट्ट व एक अन्य डॉक्टर पहुंचे थे। टीम के पहुंचने से पूर्व ग्राम उसलापुर, झिरिया, आंदु, बिटकुली, तुमा, नवागांव, बिरमपुर समेत 12 गांव के पंच, सरपंच, उपसरपंच, जनपद सदस्य व भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। टीम ने मानव निर्मित वन को घुम कर देखा जहां पर उन्हें 150 एकड़ के अंदर जगह-जगह पड़े मवेशियों के ककाल व अवशेषों को देखने के बाद मौके पर गए शासन के नुमाइंदों ने मौके पर ही निरीक्षण किया गया। तहसीलदार जयंत पटेल की उपस्थिति में पंचनामा पत्र तैयार किया गया। पंचनामा के अनुसार वन विभाग के जंगल में बीते 12 से 15 दिन के दौरान पशुओं की मौत होने के संबंध में निरीक्षण तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, हल्का पटवारी व वन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। मौके पर पशुओं की मौत होना पाया गया।

सभी घेराबंदी अंदर होने और बाहर नहीं जा पाने की वजह से अंदर में मौत होने की बात सामने आई। मौके पर चारा-पानी की कमी को दूर करने के लिए चारा की व्यवस्था व नहर और बोरेवेलस से पानी की व्यवस्था करने की सहमति दी गई। आने वाले 15 दिन के भीतर में मृत होने वाले मवेशियों की कुल संख्या 200 होने का अनुमान लगाया गया। वहीं बीते 2-3 दिन के दौरान 65 मवेशियों की मौत होने पर शव मौके पर मिले। बचे सभी मवेशियों को शिफ्ट करने की कार्यवाही करने का भरोसा ग्रामीणों को दिया गया। इस दौरान जनपद सदस्य दीपक दिनकर, ओमकार साहू, उसलापुर सरपंच, झिरिया उपसरपंच, देवसिंग चतुर्वेदी, प्रेमचंद साहू, दीपक कुमार, संतोष, विमल साहू मुलमुला सरपंच आदि उपस्थित थे। जिला पंचायत सदस्य शशिकला गायकवाड भी उपस्थित थे।

जिले के समितियों में शिविर का आयोजन कर एग्रीस्टेक पोर्टल में शेष किसानों का किया जा रहा है पंजीयन

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में शत प्रतिशत किसानों का पंजीयन सुनिश्चित कराने समिति स्तर पर शिविर का हो रहा आयोजन



बालोद। बालोद जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कराने एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराने हेतु शेष रह गए किसानों का पंजीयन का कार्य निरंतर जारी है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले के सभी सहकारी समितियों में शिविर का आयोजन कर शेष सभी कृषकों का एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन सुनिश्चित कराया जा रहा है। शिविर में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के ऐसे किसान जो एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत है किंतु एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन हेतु शेष रह गए है, समिति स्तरीय शिविरों में ऐसे सभी कृषकों का एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन किया जा रहा है। इसके साथ ही ऐसे कृषक जो एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत है किंतु उनका

व्यक्तिगत जानकारी अप्राप्त है शिविरों में ऐसे सभी कृषकों की जानकारी एग्रीस्टेक पोर्टल में अद्यतन भी किया जा रहा है। कलेक्टर मिश्रा के निर्देशानुसार बालोद जिले में राजस्व, सहकारिता एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराने हेतु शेष रह गए शत प्रतिशत कृषकों का पंजीयन सुनिश्चित कराने हेतु मुस्तीदी से कार्य किया जा रहा है। जिससे कि जिले के सभी कृषकों को वास्तविक रकबे के आधार पर वास्तविक धान की खरीदी सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही जिले का कोई भी पात्र कृषक धान खरीदी योजना का समुचित लाभ लेने से वंचित न रहे। इसके अंतर्गत आज 27 अक्टूबर को जिले के सहकारी समिति पारारस, तरौद और मालीघोरी सहित

अन्य सहकारी समितियों में राजस्व एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराने हेतु शेष रह गए कृषकों का कराए जा रहे पंजीयन के कार्य का निरीक्षण कर मौके पर उपस्थित किसानों को एग्रीस्टेक पोर्टल में किसानों के पंजीयन के महत्व एवं उद्देश्यों के संबंध में आवश्यक जानकारी भी दी गई। एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन हेतु किसान संबंधित सहकारी समितियों के अलावा ग्राहक सेवा केन्द्रों में पहुंचकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। इसके साथ ही एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत ऐसे किसान जिनका व्यक्तिगत जानकारी अप्राप्त है वे सहकारी समितियों में आयोजित शिविरों में उपस्थित होकर अपना व्यक्तिगत जानकारी अद्यतन करा सकते हैं।

नर्सों ने अस्पताल के वार्ड के मुख्य दरवाजे पर विशेष प्रकार की रंगोली बनाई

दक्षीराजहरा। शहीद अस्पताल राजहरा की नर्सों ने अस्पताल के वार्ड के मुख्य दरवाजे पर विशेष प्रकार की रंगोली बनाई। इसमें शराब, बीड़ी, सिगरेट, इंजेक्शन और टैबलेट के माध्यम से होने वाले शारीरिक नुकसान को दर्शाया गया। मुंह की समस्या, फेफड़े की बीमारी, आंखों की समस्या, किडनी और हृदय रोग जैसी समस्याओं का रंगोली में चित्रण किया गया। मरीजों और परिजनों को नशापन से दूर रहने की सलाह दी गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शैबाल जाना ने कहा कि नर्सों का यह प्रयास कम उम्र में नशे की आदत से होने वाले नुकसान को रोकने में मदद करता है। लेबर रूम की नर्सों ने दूसरी रंगोली में गर्भवती महिलाओं को चित्रित किया। एक दृश्य में महिला मां बनकर नए जीवन की खुशी महसूस कर रही है दूसरी दृष्टि से यह दर्शाया गया कि आज भी

समाज में बेटे को प्राथमिकता दी जाती है। रंगोली का संदेश है कि सरकार और समाज दोनों बेटा-बेटी को समान रूप से देखें। नर्सों ने इसे जनमानस में जागरूकता फैलाने और बच्चों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से बनाया था। तीसरी रंगोली में नर्सों में मोबाइल के अत्यधिक प्रयोग से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर होने वाले नकारात्मक प्रभाव को दर्शाया और बच्चों के पढ़ाई तथा खेल से दूर होने की स्थिति प्रदर्शित की गई नर्सों ने इस रंगोली के माध्यम से माता-पिता और समाज को सचेत किया कि बच्चों की आदतों और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। डॉक्टर जाना ने कहा कि नर्सों के रचनात्मक प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने में मदद कर रहे हैं यह दीपावली इनके संवेदनशील काम का प्रतीक है।